राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 27 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–91 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाउडस्पीकरों को उतारने के लिए कोई कानून नहीं, केंद्र सरकार तय करे नियम : महाराष्ट्र

मुंबई। मस्जिदों में लाउडस्पीकर को लेकर उपजे विवाद के बीच महाराष्ट्र सरकार ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर 'नियम बनाने और स्पष्टता लाने' की जिम्मेदारी केंद्र पर डाल दी। सर्वदलीय बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल और पर्यावरण एवं पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि 'लाउडस्पीकरों को उतारने' में राज्य की कोई भूमिका नहीं है। वाल्से पाटिल ने कहा, राज्य लाउडस्पीकरों को उतारने या उन्हें लगाने पर कोई निर्णय नहीं ले सकता है। जो कोई भी लाउडस्पीकर लगा रहा है, उसे इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग करने वाली भाजपा और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री और आदित्य ठाकरे ने कहा कि 2005 का सुप्रीम कोर्ट का फैसला पूरे देश से संबंधित है, इसलिए इस मुद्दे पर केंद्र को फैसला करना चाहिए। वाल्से पाटिल ने कहा, ÷केंद्र को इस मुद्दे पर अंतिम विचार करना चाहिए। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल स्पष्टीकरण के लिए केंद्र से मुलाकात करेगा और अन्य राज्यों द्वारा अपनाई जा रही नीति की जांच करेगा। लाउडस्पीकरों को उतारने के लिए कोई कानून नहीं है। पाटिल ने कहा कि अगर राज्य लाउडस्पीकर के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो उसे सभी समुदायों द्वारा इसके इस्तेमाल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह-सुबह भजन और कीर्तन होते हैं, नवरात्रि और गणेश उत्सव के लिए भी लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किया जाता है। हमने चर्चा की कि इसका क्या प्रभाव होगा, कानून व्यवस्था सभी के लिए समान है, हम दूसरों (अन्य समुदाय) के लिए अलग दृष्टिकोण नहीं ले सकते हैं।

मंदिर हो या मस्जिद, योगी सरकार ने तेज आवाज पर लाउडस्पीकर उतारने का दिया आदेश

प्रयागराज। महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक चल रहे लाउडस्पीकर विवाद के बीच योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। सरकार ने यूपी में मंदिर-मस्जिद सहित सभी धर्मस्थलों पर तय मानकों के मुताबिक लाउडस्पीकर को कम आवाज में बजाने को कहा है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर इन्हें उतारने का आदेश दिया है। राज्य में अब तक 100 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं, जबकि हजारों की आवाज कम हो चुकी है।

सरकार ने ऐसे धर्मस्थलों की थानावार सूची बनाने का आदेश दिया है, जहां ध्वनि सीमा के मानकों का पालन नहीं हो रहा है। दरअसल, पिछले दिनों रामनवमी और हनुमान जयंती के मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा और तनावपूर्ण घटनाओं को देखते हुए योगी सरकार तुरंत सतर्क हो गई थी। देश के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में कई जिले इस मामले में काफी संवेदनशील माने जाते हैं। इसे

मद्देनज़र रखते हुए सीएम योगी ने त्योहारों पर शांति बनाए रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों की छुट्टियां 4 मई तक रद्द कर दीं। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा के लिए आयोजक से शपथ पत्र लेने और धार्मिक स्थलों पर नियमों का पालन कराए जाने के आदेश दिए।

सरकार ने धार्मिक स्थलों पर चाहे वे मंदिर हों, मस्जिद हों या फिर किसी अन्य धर्म-समुदाय के स्थल, लाउडस्पीकरों के प्रयोग के लिए गाइडलाइन जारी कर दी। नई गाइडलाइन के मुताबिक धर्मस्थल पर बजने वाले लाउडस्पीकर की आवाज उस स्थल के परिसर से बाहर नहीं जानी चाहिए। देश के अलग-अलग हिस्सों में विवाद के बाद यूपी में की गई जांच-पड़ताल में पाया गया था कि कई धर्मस्थलों में निर्धारित मानक का उल्लंघन करते हुए अधिक संख्या में लाउडस्पीकर बजाए जा रहे हैं।

गोरखपुर की मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर की आवाज भी हो गई धीमी

अब इस पर अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से शासनादेश जारी किया है। इसमें धर्मस्थलों में नियमों के पालन की साप्ताहिक समीक्षा जिला स्तर पर करने और पहली अनुपालन रिपोर्ट 30 अप्रैल तक शासन को भेजने को कहा गया है। जिलों की रिपोर्ट मंडलायुक्तों के माध्यम से और कमिश्नरेट की रिपोर्ट पुलिस आयुक्त के माध्यम से शासन को भेजी जाएगी। शासनादेश में कहा गया है कि धर्मगुरुओं से संवाद और समन्वय के आधार पर अवैध लाउडस्पीकरों को हटवाया जाए और निर्धारित डेसिबल का पालन कराया जाए। हमने लगभग 125 लाउड स्पीकर उतरवा लिए हैं और लोगों ने लगभग 17 हजार लाउड स्पीकर की आवाज स्वेच्छा से कम की है।

सरकार ने ऐसे धर्मस्थलों की थानावार सूची बनाने का आदेश दिया है, जहां ध्वनि सीमा के मानकों का पालन नहीं हो रहा है। दरअसल, पिछले दिनों रामनवमी और हनुमान जयंती के मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा और तनावपूर्ण घटनाओं को देखते हुए योगी सरकार तुरंत सतर्क हो गई थी। देश के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में कई जिले इस मामले में काफी संवेदनशील माने जाते हैं।

हर आयु वर्ग को चपेट में ले रहा कोरोना वायरस, दो डोज के बावजूद संक्रमित

गाजियाबाद। कोरोना का वायरस इस बार हर आयु वर्ग को अपनी चपेट में ले रहा है। इसमें छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी शामिल हैं। हर आयु वर्ग के लोग संक्रमित हुए हैं। इस बार वह लोग भी संक्रमित हुए हैं, जो वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके हैं। हालांकि एक किशोर को छोड़ दिया जाए तो सभी संक्रमितों का इलाज घर पर ही चल रहा है। फिर भी स्वास्थ्य विभाग ने अपनी पूरी तैयारी कर रखी है। ताकि जरूरत पड़ने पर संक्रमितों को बेहतर इलाज मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बताते हैं कि कोरोना की पहली लहर के दौरान सबसे ज्यादा बुजुर्गो संक्रमित हुए थे। फिर दूसरी लहर के असर युवाओं पर सबसे अधिक पड़ा था। तीसरी लहर ने बच्चों को अपनी चपेट में लिया था। क्योंकि युवा व बुजुर्गों को वैक्सीन लग चुकी थी, लेकिन अब चौथी लहर की आशंका के बीच संक्रमण सभी आयु वर्ग को अपनी चपेट में ले रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर भी नजर डाले तो दस अप्रैल से संक्रमण तेजी से फैलना शुरू हुआ है। जबकि उससे पहले दो या तीन संक्रमित मरीज ही रोजाना आते थे। दस अप्रैल से शून्य से लेकर 60 साल से अधिक उम्र के सभी लोग संक्रमित मिल रहे

है। इसमें नौ महीने की एक बच्ची तक संक्रमित हो चुकी है। जबकि आंकड़ों पर नजर डाले तो 21 से 40 वर्ष के बीच वाले लोग सबसे ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं। इसके बाद 41 से 60 साल के बीच वाले लोगों संक्रमित मिल रहे हैं। इस महीने कुल 459 लोग संक्रमित हुए हैं, जिसमें से 273 मरीज ही सक्रिय हैं।

उड़ीसा सरकार ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पांच दिन की छुट्टी का किया ऐलान

नई दिल्ली। देशभर में गर्मी और गरम हवाओं से लोगों का बुरा हाल है। लोग गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग उपाय कर रहे हैं। इस बीच मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी है। इसी को देखते हुए उड़ीसा सरकार ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कलों में पांच दिन की छुट्टी का ऐलान किया है। उड़ीसा सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, राज्य में लू की स्थिति को देखते हुए ओडिशा के सभी सरकारी और निजी स्कूल 26 अप्रैल से 30 अप्रैल तक 5 दिनों के लिए बंद रहेंगे।

उधर, दिल्ली की सफदरजंग वेधशाला में सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया और आगामी दो-तीन दिनों में लू के प्रकोप के कारण बृहस्पतिवार तक पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शहर का सबसे गर्म स्थान रहा जहां तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अफगानिस्तान के ऊपर बने पश्चिमी

विक्षोभ के कारण आंशिक रूप से बादल छाए रहने से उत्तर पश्चिम भारत में लंबे समय तक चलने वाली लू से कुछ राहत मिली है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आगामी कुछ दिनों में लू चलने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि आगामी कुछ दिनों में दिल्ली के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में 28 अप्रैल से लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। इस बीच, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में सोमवार को लू की स्थिति बनी रही और इस क्षेत्र में दिन का तापमान सामान्य से ऊपर रहा। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। गुरुग्राम में जहां अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं दोनों ही प्रदेशों की राजधानी चंडीगढ़ में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा के भिवानी में अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 41.2 डिग्री सेल्सियस, सिरसा और रोहतक में 40.9 डिग्री सेल्सियस और अंबाला में 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पंजाब के पटियाला में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस, बठिंडा में 40 डिग्री सेल्सियस, होशियारपुर में 40.5 डिग्री सेल्सियस, अमृतसर में 38.7 डिग्री सेल्सियस और लुधियाना में 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीएम के नाम से योगी हटाने की मांग को HC ने किया खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने नाम के साथ योगी शब्द का प्रयोग करने से रोकने की मांग को लेकर दाखिल याचिका एक लाख रुपये हर्जाने के साथ खारिज कर दी है। कोर्ट ने याची को हर्जाने की राशि छह सप्ताह में जमा करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल एवं न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने दिया है। हर्जाने की राशि विकलांग केंद्र को दी जाएगी। याचिका में कहा गया था कि योगी आदित्यनाथ अलग-अलग नामों से लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में नामांकन करते और शपथ लेते आए हैं। जबकि उन्हें सिर्फ अपने आधिकारिक नाम से ही चुनाव लड़ना चाहिए और उसी नाम से शपथ लेनी चाहिए। याचिका के अनुसार योगी आदित्यनाथ ने 2004, 2009, 2014 के चुनाव में आदित्यनाथ के नाम से शपथ ली। उसके बाद उन्होंने अपने नाम के आगे योगी जोड़ दिया।

वह अपने नाम के साथ योगी शब्द का इस्तेमाल उसी तरह से कर रहे हैं, जैसे डॉक्टर या

इंजीनियर टाइटल का उपयोग किया जाता है इसलिए उन्हें अपने नाम के आगे योगी शब्द का प्रयोग करने से रोका जाए। कोर्ट ने याचिका को न्यायालय का समय बर्बाद करने वाली बताते हुए एक लाख रुपये हर्जाना लगाया और याचिका खारिज कर दी।

गुजरात चुनाव : भाजपा के खिलाफ 'चार्जशीट' जारी करेगी कांग्रेस

राजकोट। गुजरात में कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब पार्टी राज्य में भाजपा की असफलताएं गिनाने के लिए 'चार्जशीट' जारी करने जा रही है। इस बात की जानकारी ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा ने सोमवार को दी है। उन्होंने बताया कि पार्टी जिलेवार और निर्वाचन क्षेत्रों में ये आरोप पत्र जारी करेगी। गुजरात में साल के अंत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। फिलहाल, राज्य में भाजपा की सरकार है।

राजकोट में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शर्मा ने कहा, 'हम स्थानीय परेशानियों की पहचान कर रहे हैं... हम

● इस दौरान शर्मा ने राजकोट की जेतपुरा तालुका स्थित रंगाई और छपाई यूनिट्स से स्थानीय नदियों में रसायन छोड़े जाने का जिक्र किया।

भाजपा सरकार के खिलाफ विधानसभा वार और जिलेवार चार्जशीट्स जारी करेंगे... हमारे चुनावी घोषणापत्र के जरिए हम गुजरात के लोगों को भरोसा देंगे कि अगर कांग्रेस की सरकार आती है, तो हम उन परेशानियों से किस तरह निपटेंगे।'

शर्मा जिला स्तरीय चिंतन शिविर में शामिल होने के लिए राजकोट पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में AICC सचिव रामकिशन ओझा भी शामिल थे। ओझा भी गुजरात प्रभारी हैं। गुजरात विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता परेश धनानी और स्थानीय कांग्रेस विधायक और पार्टी नेता भी शामिल रहे।

शर्मा ने कहा, यहां पेयजल की काफी कमी है। राजकोट जिले में सड़कों की हालत खराब है। वह पूरे देश में स्वच्छ भारत के नारे लगाते हैं और शौचालय बनाने के बारे में बात करते हैं। लेकिन यहां लोगों के पास पीने के लिए भी पानी नहीं है। उन्होंने कहा कि नाले का पानी बहकर गांवों की नदियों में जा रहा है।

इस दौरान शर्मा ने राजकोट की जेतपुरा तालुका स्थित रंगाई और छपाई यूनिट्स से स्थानीय नदियों में रसायन छोड़े जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जहां भी GIDC है, किसानों की जमीन खराब हो रही है। नदियां भी खराब हो रही है। हम उद्योगों के खिलाफ नहीं हैं... लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जब कारखाने लगाए जाएं, तब कचरे से निपटने की भी व्यवस्था की जाए।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम आगे, इस हफ्ते ऐलान संभव

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर जारी चर्चाओं पर जल्दी विराम लग सकता है। खबर है कि पार्टी एक सप्ताह में नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हरियाणा के पार्टी नेताओं से मुलाकात की थी और साथ मिलकर काम करने के लिए कहा था। कहा जा रहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मौजूदा अध्यक्ष कुमारी शैलजा को बदलकर बेटे दीपेंद्र हुड्डा को कमान सौंपे जाने की वकालात कर रहे हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि कांग्रेस आलाकमान एक सप्ताह में हरियाणा के पार्टी अध्यक्ष की घोषणा करेगा। इस पद के लिए पूर्व सीएम हुड्डा का नाम आगे चल रहा है। सोमवार को हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी विवेक बंसल ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ 10 जनपथ पर बैठक की थी। खास बात है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी पहले ही नेतृत्व में बदलाव की तैयारी कर रही थी। क्योंकि कांग्रेस मजबूत आधार तैयार करने के लिए संगठन स्तर पर बदलाव करने की प्रक्रिया में है।

इसके अलावा राज्य में आम आदमी पार्टी

की बढ़ती सक्रियता के चलते भी कांग्रेस के लिए गुटबाजी खत्म करना जरूरी हो गया है। पांच राज्यों में बड़ी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने संगठन में बदलाव का फैसला किया है।

एजेंसी के अनुसार, प्रक्रिया में शामिल एक नेता ने जानकारी दी कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए हुड्डा का नाम आगे है। वहीं, कुलदीप बिश्नोई को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाया जा सकता है। इसके अलावा रणदीप सिंह सुरजेवाला या कुमारी शैलजा को पार्टी राज्यसभा सीट दे सकती है। दलित चेहरा और सोनिया गांधी की करीबी होने के चलते शैलजा का पक्ष मजबूत है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बनने से पहले वे राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं।

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हरियाणा के पार्टी नेताओं से मुलाकात की थी और साथ मिलकर काम करने के लिए कहा था। कहा जा रहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मौजूदा अध्यक्ष कुमारी शैलजा को बदलकर बेटे दीपेंद्र हुड्डा को कमान सौंपे जाने की वकालात कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। - जॉन टिलोटसन

संपादकीय

देश की मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कश्मीर दौरा ऐतिहासिक भी है और प्रेरक भी। ऐतिहासिक इसलिए कि अनुच्छेद 370 के हटने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छिनने के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली कश्मीर यात्रा है। सांबा जिले के पल्ली में प्रधानमंत्री ने यह उचित ही कहा है कि जम्मू-कश्मीर की जड़ों तक लोकतंत्र पहुंच गया है, यही वजह है कि मैं यहां से पूरे देश को संबोधित कर रहा हूं। वाकई, कश्मीर में पहले जैसा माहौल नहीं है। सुरक्षा जब कड़ी हो गई है, निचले स्तर पर सरकार काम कर रही है, तब लोगों को भी राहत का एहसास होने लगा है। हालांकि, कुछ हिंसा अभी भी जारी है, लेकिन उसका आतंक पहले जैसा नहीं है। सबसे खास बात यह है कि प्रधानमंत्री ने कश्मीर घाटी के युवाओं से संवाद सशक्त करने की कोशिश की है। इसमें कोई दोराय नहीं कि कश्मीर में शांति और विकास की पहल के लिए युवाओं की भागीदारी सबसे जरूरी है। युवाओं को यह एहसास दिलाना जरूरी है कि वह एक सुरक्षित और विकसित भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। कश्मीर घाटी की कम से कम पिछली दो पीढ़ियों के हिस्से समस्याओं की जो विरासत आई है, उससे पीछा छुड़ाना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने इस केंद्र शासित प्रदेश के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास किया है। अगर इनमें से आधी परियोजनाएं भी पूरी हुईं, तो कश्मीरी युवाओं को रोजगार मिलेगा और उनकी दशा-दिशा बदलेगी। बनिहाल-काजीगुंड सड़क सुरंग का उद्घाटन भी बहुत महत्वपूर्ण है। उपयोगी और बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन जब कोई बड़ा भारतीय नेता करता है, तब इससे पूरे देश को मजबूती मिलती है और भटके हुए युवाओं को प्रेरणा। सरकार को अपने स्तर पर रोजगार बढ़ाने के अलावा निजी क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, इस बात को यदि हमारी सरकारों ने समझ लिया है, तो फिर कश्मीर में स्थिति पूरी तरह सामान्य होने की दिशा में बढ़ चलेगी। जिस गति से वहां बुनियादी सेवाओं को सुधारने की दिशा में काम हो रहा है, उस पर सभी को गौर करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पल्ली में 500 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया है, मतलब यहां देश की पहली कार्बन न्यूट्रल पंचायत का सपना साकार होने वाला है। विकास के ऐसे द्वीप ही घाटी को राहत का एहसास कराते हुए रास्ते पर लाएंगे। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि जम्मू-कश्मीर के लोग दशकों बाद ऐसी बात देख रहे हैं। विकास का ढांचा जैसे-जैसे मजबूत होगा, स्थानीय लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ेगा। यह सच है, लगभग 175 कानूनों को जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं किया गया था, पर अब देश में लागू तमाम लोक-कल्याणकारी कानून वहां भी लागू हैं। लोगों के लिए अवसर बढ़े हैं, न्याय की उम्मीदें बढ़ी हैं। पर सरकारी निवेश की अपनी सीमा है, अत- वहां निजी निवेश बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। अति-आतंक प्रभावित क्षेत्रों को विशेष रूप से निशाना बनाना चाहिए। विकास का कवच बनाते हुए ऐसे इलाकों को घेरना चाहिए। अति-आतंकग्रस्त इलाकों में जब बेहतर रोजगार की स्थिति बनेगी, तो युवा भी ज्यादा आकर्षित होंगे। युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा में व्यस्त रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री का यह कश्मीर दौरा एक नई शुरुआत होनी चाहिए। नियमित अंतराल पर या बार-बार देश के बड़े नेताओं को घाटी के गांवों-कस्बों में जाना होगा, ताकि वंचितों व भटके हुए लोगों को मुख्यधारा में लाया जा सके।

आज के कार्टुन

दान

श्रीराम शर्मा आचार्य

दान का अर्थ है देवत्व के अनुरूप देते रहने की वृत्ति को जिंदा रखना। शास्त्र कहता है-सौ हाथों से कमाओ और हजार हाथों से बांटो। दुनिया में सम्मान उनके लिए ही सुरक्षित है, जो देते रहते हैं, पर बदले में कम पाने पर भी अपना काम चला लेते हैं। दो और पाओ, बोओ और काटो, बांटो और झोली भर लो का सिद्धान्त एक शात सत्य के रूप में सदा से कार्य करता आया है। आज का समय बड़ी अभूतपूर्व घड़ियों में आया है। कह सकते हैं कि यह एक असाधारण समय है। ऐसे में धन-साधन के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण जिसे माना गया है, वह है-समयदान। यह सभी के लिए सुलभ है। यदि समयदान के साथ श्रद्धा का पुट और लग जाए, तो लोक मंगल के अनेक कार्य सहज ही संभव हैं। महान मनीषियों की साधना समय की तप-शिला पर बैठकर ही संपन्न हुई है। लोकसेवियों ने समयदान के सहारे अनेक असंभव कार्य कर दिखाए हैं। परन्तु यह कार्य तभी बन पड़ता है, जब अंतराल की गहराई से आदशरे के राजमार्ग पर चलने के लिए बेचैन करने वाली टीस निरंतर उठती है। आज आस्था संकट रूपी दुर्भिक्ष जब प्रेत-पिशाच की तरह चढ़ा हुआ है, समयदान को युगधर्म मानकर तत्काल उसमें जुटना होगा। श्रेष्ठ कार्य यदि सामने हो तो उसे तुरंत करना चाहिए, यह उक्ति चरितार्थ करते हुए युगसंधि महापुरश्चरण की वेला में सभी को बढ़-चढ़कर समयदान करना चाहिए। दान-पुण्य शब्द एक साथ मिल कर बोले जाते हैं, और इनके प्रतिफल भी समानान्तर बताए जाते हैं। अध्यात्म की भाषा में इनकी महत्ता स्वर्ग, मुक्ति, सिद्धि, वरदान, चमत्कार आदि के रूप में कही जाती है, और बोलचाल की भाषा में इन्हें प्रगति, सफलता, वरिष्ठता और प्रदाता तक बताया जाता है। दान अर्थात देना, यही पुण्य है। लेना अर्थात अधिकारों का अपहरण, यही पाप है। पाप की परिणति लौकिक और पारलौकिक क्षेत्र में अवगति दुर्गति स्तर की होती है। नरक इसी का आलंकारिक प्रतिपादन है। दोनों में से अपनी गतिविधियां किस पक्ष के साथ विनियोजित करना है, यह मनुष्य की अपनी इच्छाओं की बात है। परिस्थितियां कई बार इस चयन के विपरीत दबाव भी डालती देखी गई हैं। पर अंतत: होता वही है, जिस पर इच्छा-शक्ति संकल्प बनकर केंद्रीभूत होती है।

पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करेंगे जीवाणु

मुकुल व्यास

दुनिया का इंजन मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधनों से ही चलता है। लेकिन जीवाश्म ईंधन ग्लोबल वार्मिंग में अपनी भूमिका से कुख्यात हो चुके हैं। इन ईंधनों के जलने पर बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है जो कि एक ग्रीनहाउस गैस है। ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल में जमा हो कर गर्मी को पकड़ लेती हैं। इससे ग्लोबल वार्मिंग उत्पन्न होती है। ग्लोबल वार्मिंग से विश्व का औसत तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। वार्मिंग के प्रभावों से दुनिया को बचाने के लिए जीवाश्म ईंधनों के विकल्प खोजना जरूरी है। वैज्ञानिकों को ऐसे ईंधनों की तलाश है जो ऊर्जा उत्पादन के साथ पर्यावरण को भी स्वच्छ रखें। हॉलैंड के वैज्ञानिकों का कहना है कि एक बैक्टीरिया के उपयोग से दोनों चीजें हासिल की जा सकती हैं। फंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में हॉलैंड की रैडबाउड यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने कहा है कि एक ऐसा बैक्टीरिया विकसित करना संभव है जो मीथेन का उपयोग करे और बिजली का उत्पादन करे। कैंडिडेटस मीथेनोपेरेडेंस नामक यह बैक्टीरिया विकसित होने के लिए मीथेन का उपयोग करता है और तालाब जैसे स्वच्छ जल के स्रोतों में पाया जाता है। हॉलैंड में यह बैक्टीरिया ऐसी जगहों पर पाया जाता है जहां सतह और भूजल नाइट्रोजन से प्रदूषित हैं। इस बैक्टीरिया को नाइट्रेट को विखंडित करने के लिए मीथेन की जरूरत पड़ती है। रिसर्चर शुरू में सूक्ष्म जीवाणुओं में होने वाली प्रक्रियाओं के बारे में जानना चाहते थे। उनके मन में एक जिज्ञासा यह जानने की भी थी कि क्या इस जीवाणु का उपयोग विद्युत उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है। इस अध्ययन की मुख्य लेखक कोर्नेलिया वेल्ट का कहना है कि यह ऊर्जा क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय बायोगैस संयंत्रों में जीवाणुओं द्वारा मीथेन गैस का उत्पादन किया जाता है। इस गैस के जलने से टर्बाइन चलता है और बिजली बनती है। लेकिन आधी से भी कम बायोगैस ही बिजली में बदल पाती है। हम यह देखना चाहते थे कि क्या सूक्ष्म जीवाणुओं के प्रयोग से इस क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हॉलैंड के अन्य रिसर्चरों ने पिछले अध्ययनों में बताया था कि एनामॉक्स नामक बैक्टीरिया से ऊर्जा उत्पादन करना संभव है। ये जीवाणु इस प्रक्रिया के लिए मीथेन के स्थान पर अमोनियम का प्रयोग करते हैं। इन जीवाणुओं से बिजली उत्पादन की प्रक्रिया बुनियादी रूप से एक जैसी है। एक रिसर्चर ने कहा कि हम एक बैटरी जैसी चीज बनाते हैं जिसमें दो टर्मिनल होते हैं। एक टर्मिनल जैविक और दूसरा रासायनिक होता है। उसने बताया कि इस तरीके से हम 31 प्रतिशत मीथेन को बिजली में बदलने में कामयाब रहे। रिसर्चर अपने सिस्टम में सुधार करके मीथेन से बिजली उत्पादन की क्षमता बढ़ाएंगे। पारंपरिक ईंधनों के विकल्प की तलाश में कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान सूक्ष्म शैवाल पर भी गया है। इन सूक्ष्म जीवों को माइक्रोएल्गी भी कहा जाता है। इन एक कोशिका वाले जीवों को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। चीन में हजारों वर्षों से दवाओं के रूप में सूक्ष्म शैवाल का प्रयोग हो रहा है। प्राचीन चीनियों की धारणा थी कि इन सूक्ष्म जीवों से तैयार दवा हर तरह की बीमारी ठीक कर सकती है। सूक्ष्म शैवाल की एक लाख प्रजातियां हैं। हर प्रजाति में अलग विशिष्ट गुण हैं। इस विविधता की वजह से सूक्ष्म शैवाल पृथ्वी पर हर वातावरण में पनप जाते हैं। ये जीव ज्यादातर स्वच्छ जल और समुद्रों में पाए जाते हैं। सूक्ष्म शैवाल की अधिकांश प्रजातियां हरी होती हैं लेकिन लाल और भूरे सूक्ष्म शैवाल भी पाए जाते हैं। इसकी अलग-अलग किस्मों में उत्पन्न होने वाले जैव-रासायनिक यौगिक भी अलग-अलग किस्म के होते हैं और इनमें कुछ बहुत उपयोगी होते हैं। पिछले दशकों में हुए शोध से पता चला कि सूक्ष्म शैवाल में जैविक ईंधन उत्पन्न करने की अपार क्षमता है। ध्यान रहे कि जैविक ईंधन वानस्पतिक पदार्थों या जानवरों के अपशिष्ट से तैयार किया जाता है। शोधकर्ता सूक्ष्म शैवाल की ऐसी प्रजातियां तलाश रहे हैं जो बड़े पैमाने पर जैविक ईंधन के उत्पादन के लिए उपयुक्त हों। सूक्ष्म शैवाल की खूबी यह है कि ये सूरज की रोशनी और कार्बन डाइऑक्साइड को कई तरह के जैव-रासायनिक यौगिकों में बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं के वर्ग में रखे जाने के बावजूद ये पौधों की तरह क्रिया करके ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। यह चक्र कार्बन को पकड़ने वाले सिस्टम की तरह काम करता है जिसमें वायुमंडल की नुकसानदायक कार्बन डाइऑक्साइड उपयोगी ऑक्सीजन में परिवर्तित की जाती है। सूक्ष्म शैवाल कोशिकाओं के अंदर पाए जाने वाले दूसरे यौगिकों का भी उत्पादन करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अपनी इन खूबियों की वजह से सूक्ष्म शैवाल ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों का मुकाबला कर सकते हैं।

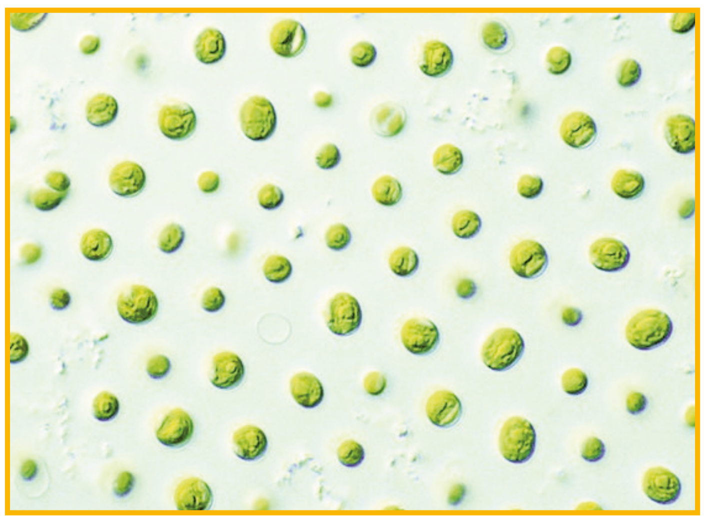

सूक्ष्म शैवाल से मिलने वाले उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है। ये श्रेणियां हैं प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और लिपिड (वसा)। लेकिन शोध से पता चला कि इन सूक्ष्म जीवों से दूसरे भी मूल्यवान जैव-रासायनिक यौगिक मिलते हैं जिनका विभिन्न उद्योगों में प्रयोग होता है। उदाहरण के तौर पर सूक्ष्म शैवाल केरोटिनॉयड यौगिक उत्पन्न करते हैं। इन जीवों से मिलने वाला एक और उपयोगी यौगिक पोलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड है। ये यौगिक लिपिड परिवार के हिस्से हैं और कोशिकाओं की ऊर्जा की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इन यौगिकों से डायबिटीज और अर्थराइटिस के इलाज में मदद मिलती है। सूक्ष्म शैवाल से बनने वाला जैविक ईंधन जीवाश्म ईंधन के सबसे प्रबल विकल्पों में गिना जाता है। तेल का नवीकरण नहीं किया जा सकता लेकिन जैविक ईंधन ऊर्जा का नवीकरणीय और संधारणीय स्रोत है। सूक्ष्म शैवाल खुद जैविक ईंधन नहीं बनाते। वे वसा का उत्पादन करते हैं। एक विशेष प्रक्रिया से इस वसा से जैविक ईंधन तैयार किया जाता है। इस समूची प्रक्रिया की लागत बहुत ज्यादा बैठती है। इसी वजह से जैविक ईंधन तेल और गैस उद्योग से स्पर्धा नहीं कर पा रहा है। लेकिन वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि भविष्य में नई तकनीकों के विकास से जैविक ईंधन जीवाश्म ईंधनों पर हमारी निर्भरता कम कर सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सत्य के साथ सामाजिक दायित्व का निर्वाह भी करती है पत्रकारिता

(लेखक- प्रवीण कक्कड़)

एक जमाने में कहा जाता था कि भारतीय समाज में 3 सी सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सिनेमा, क्रिकेट और क्राइम। लेकिन आज के सार्वजनिक संवाद को देखें तो इन तीनों से ज्यादा लोकप्रिय अगर कोई चीज है तो वह है पत्रकारिता। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल अपने इन तीनों स्वरूपों में पत्रकारिता 24 घंटे सूचनाओं की बाढ़ समाज तक पहुंचाती है और लोगों की राय बनाने में खासी मदद करती है। जैसे-जैसे समाज जटिल होता जाता है, वैसे वैसे लोगों के बीच सीधा संवाद कम होता जाता है और वे सार्वजनिक या उपयोगी सूचनाओं के लिए मीडिया पर निर्भर होते जाते हैं। उनके पास जो सूचनाएं ज्यादा संख्या में पहुंचती हैं, लोगों को लगता है कि वही घटनाएं देश और समाज में बड़ी संख्या में हो रही हैं। जो सूचनाएं मीडिया से छूट जाती हैं उन पर समाज का ध्यान भी कम जाता है। आजकल महत्व इस बात का नहीं है कि घटना कितनी महत्वपूर्ण है, महत्व इस बात का हो गया है कि उस घटना को मीडिया ने महत्वपूर्ण समझा या नहीं। जब मीडिया पर इतना ज्यादा एतबार है तो मीडिया की जिम्मेदारी भी पहले से कहीं अधिक है। आप सब को अलग से यह बताने की जरूरत नहीं है कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के अलावा मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। मजे की बात यह है कि बाकी तीनों स्तंभ की चर्चा हमारे संविधान में अलग से की गई है और उनके लिए लंबे चौड़े प्रोटोकॉल तय हैं। लेकिन मीडिया को अलग से कोई अधिकार नहीं दिए गए हैं। संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी का जो अधिकार प्रत्येक नागरिक को हासिल है, उतना ही अधिकार पत्रकार को भी हासिल है। बाकी तीन स्तंभ जहां संविधान और कानून से शक्ति प्राप्त करते हैं, वही मीडिया की शक्ति का स्रोत सत्य, मानवता और सामाजिक स्वीकार्यता है। अगर मीडिया के पास नैतिक बल ना हो तो उसकी बात का कोई मोल नहीं है। इसी नैतिक बल से हीन मीडिया के लिए येलो जर्नलिज्म या पीत पत्रकारिता शब्द रखा गया है। और जो पत्रकारिता नैतिक बल पर खड़ी है, वह तमाम विरोध सहकर भी सत्य को उजागर करती है। संयोग से हमारे पास नैतिक बल वाले पत्रकारों की कोई कमी नहीं है। मीडिया को लेकर आजकल बहुत तरह की बातें कही जाती हैं। इनमें से सारी बातें अच्छी हो जरूरी नहीं है। पत्रकारिता बहुत से मोर्चों पर दृढ़ता से खड़ी है, तो कई मोर्चों पर चूक भी जाती है। आप सबको पता ही है की बर्नार्ड शॉ जैसे महान लेखक मूल रूप से पत्रकार ही थे। और बट्रेंड रसैल जैसे महान दार्शनिक ने कहा है कि जब बात निष्पक्षता की आती है तो असल में सार्वजनिक जीवन में उसका मतलब होता है कमजोर की तरफ थोड़ा सा झुके रहना। यानी कमजोर के साथ खड़ा होना पत्रकारिता की निष्पक्षता का एक पैमाना ही है। पत्रकारिता की चुनौतियों को लेकर हम आज जो बातें सोचते हैं, उन पर कम से कम दो शताब्दियों से विचार हो रहा है। भारत में तो हिंदी के पहला अखबार उदंत मार्तंड के उदय को भी एक सदी बीत चुकी है। टाइम्स ऑफ इंडिया और हिंदू जैसे अखबार एक सदी की उम्र पार कर चुके हैं। दुनिया के जाने माने लेखक जॉर्ज ऑरवेल ने आधी सदी पहले एक किताब लिखी थी एनिमल फार्म। किताब तो सोवियत संघ में उस जमाने में स्टालिन की तानाशाही के बारे में थी लेकिन उसकी भूमिका में उन्होंने पत्रकारिता की चुनौतियां और उस पर पड़ने वाले दबाव का विस्तार से जिक्र किया है। जॉर्ज ऑरवेल ने लिखा की पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि कोई तानाशाह उसे बंदूक की नोक पर दबा लेगा या फिर कोई धन्ना सेठ पैसे के बल पर पत्रकारिता को खरीद लेगा लेकिन इनसे बढ़कर जो चुनौती है वह है भेड़ चाल। यानी एक अखबार या एक मीडिया चैनल जो बात दिखा रहा है सभी उसी को दिखा रहे हैं। अगर किसी सरकार ने एक विषय को जानबूझकर मीडिया के सामने उछाल दिया और सारे मीडिया संस्थान उसी को कवर करते चले जा रहे हैं, यह सोचे बिना कि वास्तव में उसका सामाजिक उपयोग कितना है या कितना नहीं। बड़े संकोच के साथ कहना पड़ता है कि कई बार भारतीय मीडिया भी इस नागपाश में फंस जाता है। सारे अखबारों की हैडलाइन और सारे टीवी चैनल पर एक से प्राइमटाइम दिखाई देने लगते हैं। भारत विविधता का देश है, अलग-अलग आयु वर्ग के लोग यहां रहते हैं। उनकी महत्वाकांक्षा अलग है और उनके भविष्य के सपने भी जुदा हैं। ऐसे में पत्रकार की जिम्मेदारी है कि हमारी इन महत्वाकांक्षाओं को उचित स्थान अपनी पत्रकारिता में दें। वे संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करें। कमजोर का पक्ष ले। देश की आबादी का 85त्न हिस्सा मजदूर और किसान से मिलकर बनता है। ऐसे में इस 85त्न आबादी को भी पत्रकारिता में पूरा स्थान मिले। मैंने तो बचपन से यही सुना है कि पुरस्कार मिलने से पत्रकारों का सम्मान नहीं होता, उनके लिए तो लीगल नोटिस और सत्ता की ओर से मिलने वाली धमकियां असली सम्मान होती हैं। राजनीतिक दल तो लोकतंत्र का अस्थाई विपक्ष होते हैं, क्योंकि चुनाव के बाद जीत हासिल करके विपक्षी दल सत्ताधारी दल बन जाता है और जो कल तक कुर्सी पर बैठा था, वह आज विपक्ष में होता है। लेकिन पत्रकारिता तो स्थाई विपक्ष होती है। जो सत्ता की नाकामियों और उसके काम में छूट गई गलतियों को सार्वजनिक करती है ताकि भूल को सुधारा जा सके और संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों के मुताबिक राष्ट्र का निर्माण किया जा सके। मध्यप्रदेश इस मामले में हमेशा से ही बहुत आगे रहा है प्रभाष जोशी और राजेंद्र माथुर जैसे प्रसिद्ध संपादक मध्य प्रदेश की पवित्र भूमि की ही देन हैं। आज भी राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र पर मध्य प्रदेश के पत्रकार अपनी निष्पक्षता की छाप छोड़ रहे हैं। आशा करता हूं 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारतीय पत्रकारिता उन बुनियादी मूल्यों का और दृढ़ता से पालन करेगी जिन्हें हम शास्वत मानवीय मूल्य कहते हैं।

सू-दोकू नवताल -2102

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

सू-दोकू 2101 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2102

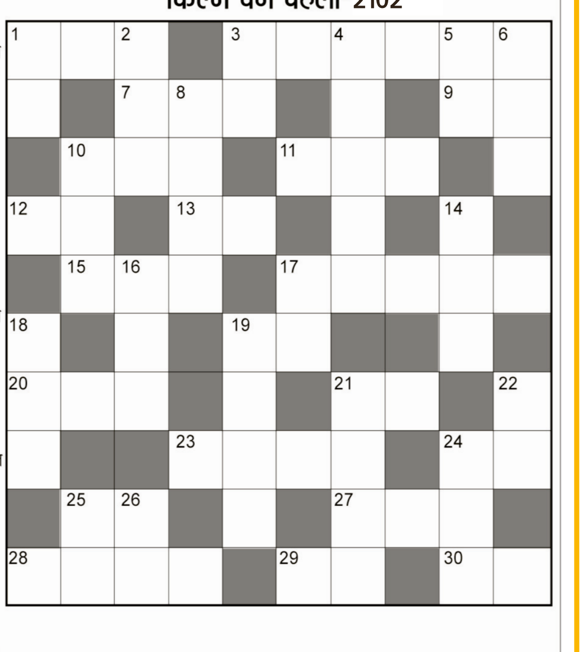

बायें से दायें:-

1. सलमान खान, आयशा जुल्का की 'बैठा नीली झील किनारे' गीतवाली फिल्म-3
3. राजेश खन्ना, जया भादुड़ी की फिल्म-2,1,3
7. इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, शमिता शेट्टी की 'ऐ बेखबर ऐ बेखबर' गीत वाली फिल्म-3
9. 'दो नैनों के पंख लगाकर' गीत वाली विनोद खन्ना, शबाना आजमी की एक फिल्म-2
10 जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-3
11. प्रभु देवा, काजोल की फिल्म-3
12. संजय दत्त, ईशा देओल की 'छम से वो आ जाये' गीत वाली फिल्म-2
13. 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2
15. 'मिली तेरे प्यार की छाव' गीत वाली फिल्म-3
17. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली सोनाली, आमिर खान की फिल्म-5
19. गोविंदा, नीलम की 'आपको अगर जरूरत है' गीत वाली फिल्म-2
20. 'मेरा नाम बिल्लू बिल्लू' गीत वाली मिथुन, आदित्य पंचोली की फिल्म-3
21. आमिर, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
23. 'तू ने की बेकरारी' गीत वाली अजय देवगन, सुनील शेट्टी, प्रियंका चोपड़ा, दिया मिर्जा की फिल्म-2,2
24. लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
25. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
27. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-3
28. 'एक ही घोंसला दो दिलों का' गीत वाली फिल्म-4
29. अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
30. 'एक अजनबी सा एहसास' गीत वाली सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, रति अग्निहोत्री, वहीदा रहमान अभिनीत फिल्म-2
2. अष्मित पटेल, मीरा अभिनीत 'आजा शोर मचा ले शोर' गीत वाली फिल्म-3
3. 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2
4. अमिताभ बच्चन, राखी की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2,3
5. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की 1998 की एक सस्पेंस फिल्म-2
6. शबाना आजमी, मकरंद देशपांडे, श्वेता प्रसाद की 'पापड़ वाले पंगा ना ले' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गोरे गोरे ये छोरे' गीत वाली सैफअली खान, रानी मुखर्जी की फिल्म-2,2
10. लकी अली, मीरा की 'बेचैनियों में लम्हा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'वो दिल कहां से लाऊं ' गीत वाली फिल्म-3
16. शम्मी कपूर, संजीव कुमार, साधना की 'ऐ दोस्त मेरे मैंने दुनिया देखी है' गीत वाली फिल्म-3
17. 'बादलों से काट काट के' गीत वाली डी.चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-2
18. शाहरुख खान, मनीषा, प्रीति जिंटा की 'तू ही तू सतरंगी रे' गीत वाली फिल्म-2,1
19. 'आ पपियां झपियां पा लें हम' गीत वाली फिल्म-4
21. जीतेंद्र, रेखा की 'देखा ना कैसे डरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
22. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज कुमार, नन्दा, जया भादुड़ी की फिल्म-2
24. फिल्म 'कृष्णा' में करिश्मा के साथ नायक-3
25. दिलीप कुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-2
26. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2101

बॉ	र्ड	र		प	तं	गा		हं	स
बी		ई	श्व	र		य	ल	गा	र
	द	स		दे		ब	ल	मा	
दो	स्त		क	स	म		का		श
	क	सौ	टी		हि		र	क्ष	क
स			प	र	मा	त्मा		त्रि	
फ	र्ज		तं				को	य	ला
र		बा	ग	बा	न		शि		वा
	दे	व		बु		जो	श		रि
मां		चीं		ल	की	र		जीं	स

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यस बैंक की शिकायत के बाद जी लर्न का शेयर लुढ़का

मुंबई । एस्सेल समूह की कंपनी जी लर्न का शेयर मंगलवार को 19 प्रतिशत से अधिक गिर गया। यस बैंक के जी लर्न के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का रुख करने के बाद कंपनी के शेयर में भारी गिरावट आई है। जी लर्न का शेयर 19.27 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 11.27 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। दिन में यह 19.77 प्रतिशत लुढ़ककर 11.20 रुपये प्रति शेयर तक आ गया था। एनएसई में भी कंपनी का शेयर 19.35 फीसदी की गिरावट के साथ 11.25 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। एक नियामकीय सूचना के अनुसार निजी क्षेत्र के बैंक ने जी लर्न के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए एनसीएलटी का रुख किया है।

एलएंडटी और आईआईटी मुंबई के बीच समझौता, मिलकर बनाएगी ग्रीन हाइड्रोजन

मुंबई । इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई के साथ समझौता किया। समझौते के तहत दोनों पक्ष ग्रीन हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी पर साथ मिलकर अनुसंधान करने वाले हैं। नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के द्वारा उत्पादित हाइड्रोजन को ग्रीन हाइड्रोजन कहते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन नहीं होता है। कंपनी ने कहा, एलएंडटी ने देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी और शोध संस्थान-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई के साथ समझौता किया है, जिसके तहत संयुक्त रूप से ग्रीन हाइड्रोजन के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। दोनों संगठन देश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अगली पीढ़ी की तकनीक विकसित करने के लिए एक साथ आए हैं।

सरकारी एजेंसियों ने 2022-23 के लिए 1.37 करोड़ टन की गेहूं खरीदी

नई दिल्ली। भारत सरकार के उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि सरकारी एजेंसियों ने रबी विपणन सत्र 2022-23 में 11 राज्यों में अब तक किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 136.93 लाख टन गेहूं की खरीद की है। विज्ञप्ति के अनुसार 24 अप्रैल तक गेहूं की खरीद से 11.99 लाख किसानों को 27,592.10 करोड़ रुपए का एमएसपी प्राप्त हुआ है। मंत्रालय के मुताबिक रबी विपणन सत्र 2022-23 के लिए केंद्रीय पूल के तहत गेहूं की खरीद हाल ही में मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में जारी है। कल तक पंजाब से 74,18,465 टन, हरियाणा से 36,09,885 टन और मध्य प्रदेश से 25,76,010 टन गेहूं खरीदा गया था।

विश्व बैंक ने किया आगाह- श्रीलंका में इस साल बढ़ेगी गरीबी

कोलंबो। दुनिया की वित्तीय पोषण संस्था विश्व बैंक ने आगाह किया है कि इस साल श्रीलंका में गरीबी बढ़ेगी। इसके साथ ही वैश्विक निकाय ने श्रीलंका से भारी कर्ज में कटौती, राजकोषीय घाटे को कम करने और गरीबों तथा कमजोरों को राहत देने की अपील की। श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजादी के बाद सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यह संकट कुछ हद तक विदेशी मुद्रा की कमी के चलते है, जिसकी वजह से खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान करने में दिक्कत हो रही है। विश्व बैंक ने कहा, 'श्रीलंका में लगभग 11.7 प्रतिशत लोग प्रतिदिन 3.20 अमेरिकी डॉलर से कम कमाते हैं, जो निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा है। यह संख्या 2019 के मुकाबले 9.2 प्रतिशत अधिक है।' विश्व बैंक ने कहा कि देश में गरीबी बढ़ने की एक वजह यह भी है कि सरकार का समृद्धि कार्यक्रम पर्याप्त नहीं था। इसके तहत देश में लगभग 12 लाख गरीब परिवारों को शामिल किया गया। कोविड महामारी के चलते श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था 2020 में करीब 3.6 प्रतिशत घटी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में हुई भारी खरीददारी से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.72 अंक करीब 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,356.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 862.35 अंक तक ऊपर पहुंच गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 246.85 अंक तकरीबन 1.46 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,200.80 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से पावरग्रिड, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, भारती एयरटेल और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। इससे पहले गत दिवस बाजार में गिरावट रही थी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने इंडसइंड बैंक के साथ गठजोड़ किया

मुंबई । एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने मियादी जमा (एफडी) सुविधा शुरू करने के लिए इंडसइंड बैंक से हाथ मिलाया है। इसके तहत एफडी पर बैंक 6.5 प्रतिशत का ब्याज देगा। परिपक्वता से पहले एफडी को तोड़ने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा। बैंक ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इंडसइंड बैंक ने कहा कि एफडी सुविधा की शुरुआत के साथ ही एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने डिजिटल बैंकिंग पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है बयान में कहा गया कि ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के द्वारा 500 रुपये से 1,90,000 रुपये तक की राशि को जमा कर सकते हैं। उन्हें इस पर सालाना 6.5 प्रतिशत तक का ब्याज मिलेगा। सभी मियादी जमाओं पर वरिष्ठ नागरिकों को 0.5 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। बैंक ने कहा, ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के माध्यम से एफडी की समय अवधि पूरी होने से पहले उस तोड़ सकते हैं और इसके लिए उनसे कोई जुर्माना या प्रसंस्करण शुल्क नहीं लिया जाएगा। इंडसइंड बैंक ने कहा कि एफडी सुविधा एक, दो या तीन साल की निश्चित अवधि के लिए उपलब्ध होगी। ग्राहक एक समय में कई एफडी कर सकते हैं।

ASSOCHAM

एसोचैम का कोयले पर आयात शुल्क हटाने का सुझाव

नई दिल्ली। उद्योग मंडल एसोचैम ने बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग से निपटने के लिए कोयला पर लग रहे आयात शुल्क को शून्य करने की वकालत की है। एसोचैम ने परिवहन के लिए रेलवे रैक की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर देने के साथ और 'कैप्टिव जनरेटर के लिए डीजल की अलग दर रखने का सुझाव दिया है। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा, हम राज्यों और वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से बिजली आपूर्ति में वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव नहीं करने का आग्रह करने वाले है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि समग्र आर्थिक पुनरुद्धार के बावजूद औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि सुस्त बनी हुई है। एसोचैम ने देश के कई हिस्सों में बढ़ते तापमान के बीच बिजली की मांग से निपटने के लिए कोयले के आयात पर शुल्क हटाने के साथ-साथ रेल के द्वारा कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से रैक की उपलब्धता बढ़ाने का सुझाव दिया है। सूद ने कहा कि केंद्र सरकार ने आयातित कोयले को घरेलू कोयले के साथ 10 प्रतिशत तक मिलाने की अनुमति दी है। वहीं वैश्विक आपूर्ति बाधाओं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में तेज वृद्धि से बिजली उत्पादन कंपनियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि अभी कोयले पर आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत है लेकिन हम वर्तमान स्थिति के मद्देनजर सरकार से आयात शुल्क को पूरी तरह से हटाने का आग्रह करते हैं।''

आरबीआई के पूर्व गवर्नर राजन बोले- महंगाई पर अकुंश लगाने नीतिगत दर बढ़ाना 'राष्ट्र विरोधी कदम' नहीं

नई दिल्ली ।

बैंकों की शीर्ष निगरानी संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि केंद्रीय बैंक को महंगाई को काबू में लाने के लिए नीतिगत दर बढ़ाने की जरूरत होगी और इस वृद्धि को राजनेताओं तथा नौकरशाहों को 'राष्ट्र-विरोधी' कदम के रूप में नहीं लेना चाहिए। बेबाक राय रखने के लिए चर्चित राजन के अनुसार यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि 'मुद्रास्फीति के खिलाफ अभियान' कभी समाप्त नहीं होता। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट 'लिंक्ड इन' पर लिखा है, 'भारत में मुद्रास्फीति बढ़ रही है। एक समय पर आरबीआई को दुनिया के अन्य देशों की तरह नीतिगत दरें बढ़ानी ही पड़ेंगी।' खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से खुदरा महंगाई मार्च में 17 महीने के उच्चस्तर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर है। वहीं कच्चे तेल और जिंसों के दाम में तेजी से थोक महंगाई दर मार्च महीने में चार महीने के उच्चस्तर 14.55 प्रतिशत पर पहुंच गई। फिलहाल शिकॉगो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर राजन ने कहा, 'राजनेताओं और नौकरशाहों को यह समझना होगा कि नीतिगत दर में वृद्धि कोई राष्ट्र-विरोधी कदम नहीं है, जिससे विदेशी निवेशकों को लाभ हो। बल्कि यह आर्थिक स्थिरता के लिए उठाया गया कदम है, जिसका सबसे ज्यादा लाभ देश को ही होता है।'

उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में महंगाई में तेजी के बावजूद आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर रेपो को लगातार 11वीं बार निचले स्तर चार प्रतिशत पर बरकरार रखा था। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.7 प्रतिशत कर दिया जबकि पूर्व में इसके 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई थी। राजन ने अपने कार्यकाल के दौरान ऊंची नीतिगत दर रखकर अर्थव्यवस्था को पीछे धकेलने को लेकर होने वाली आलोचनाओं का जवाब भी दिया। उन्होंने लिखा है कि वह सितंबर, 2013 में तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई गवर्नर बने थे। उस समय रुपए की विनिमय दर में भारी गिरावट के साथ भारत के सामने मुद्रा संकट की स्थिति थी। पूर्व गवर्नर ने कहा, 'जब मुद्रास्फीति 9.5 प्रतिशत थी, तब सितंबर, 2013 में महंगाई को काबू में लाने को रेपो दर को 7.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत किया गया। जब मुद्रास्फीति घटी, हमने रेपो दर 1.50 प्रतिशत घटाकर 6.5 प्रतिशत किया।' उन्होंने कहा, 'हमने मुद्रास्फीति को एक दायरे में रखने के लक्ष्य को लेकर सरकार के साथ समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।' राजन ने कहा कि इन कदमों से केवल अर्थव्यवस्था और रुपए को स्थिर करने में मदद मिलती है। अगस्त, 2013 से अगस्त, 2016 के दौरान मुद्रास्फीति 9.5 प्रतिशत से कम होकर 5.3 प्रतिशत पर आ गई। उन्होंने कहा कि आज विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है, इससे आरबीआई को कच्चे तेल के ऊंचे दाम के बावजूद वित्तीय बाजारों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिली।

राजन ने कहा, 'वर्ष 1990-91 में तेल की ऊंची कीमतों के कारण उत्पन्न संकट के कारण ही हमें मुद्राकोष के पास जाना पड़ा था। केंद्रीय बैंक के मजबूत आर्थिक प्रबंधन से यह सुनिश्चित हुआ है कि वैसी स्थिति दोबारा नहीं हो।' उन्होंने स्वीकार किया जब प्रमुख ब्याज दर यानी नीतिगत दर बढ़ानी पड़ती है, कोई भी खुश नहीं होता। उन्हें अभी भी राजनीति से प्रेरित आलोचनाएं सुननी पड़ती है कि आरबीआई ने उनके कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया।

खाना पकाने के सभी तेलों के निर्यात पर प्रतिबंध 28 अप्रैल से शुरु होगा

नई दिल्ली ।

पाम तेल की कीमत में गिरावट दर्ज हुई है। गिरावट इस कारण आई है कि खाद्य तेल के निर्यात पर इंडोनेशियाका अचानक प्रतिबंध लगाना, आशंका के अनुरूप सख्त नहीं होगा। इंडोनेशिया पाम तेल का टॉप प्रॉड्यूसर है। इंडोनेशिया केवल थोक और पैकेज्ड आरबीडी पॉम ओलिन के निर्यात को रोकेगा, जो एक उच्च मूल्य वाला उत्पाद है, जिसे प्रोसेस्ड किया गया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, कच्चे पाम तेल और आरबीडी पाम तेल के निर्यात की अभी भी अनुमति रहेगी। इंडोनेशिया के कुल पाम तेल निर्यात में आरबीडी ओलीन का हिस्सा 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत है। इंडोनेशिया ने कहा था कि खाना पकाने के सभी तेलों के निर्यात पर 28 अप्रैल से प्रतिबंध शुरु होगा और तब तक रहेगा जब तक कि सरकार घरेलू कमी को हल नहीं कर लेती। इसके बाद वायदा कारोबार में पाम तेल का भाव चढ़ गया था। हालांकि इंडोनेशिया की यह घोषणा बाजार के लिए एक झटके के रूप में आई क्योंकि पूर्ण प्रतिबंध से वैश्विक खाद्य मुद्रास्फीति और बढ़ जाएगी और फसल बाजारों में अस्थिरता बढ़ जाएगी, जो अभी भी युद्ध से जूझ रहे हैं।

जुलाई डिलीवरी के लिए पाम तेल की कीमत कुआलालंपुर में शुरुआती कारोबार में 7 प्रतिशत उछली लेकिन फिर यह 4.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,097 (1,399 डॉलर) प्रति टन पर आ गई। कीमतें 2.1 प्रतिशत गिरकर बंद हुईं। पाम का निकटतम प्रतिद्वंदी सोयाबीन तेल शिकागो में सर्वकालिक उच्च स्तर से नीचे आ गया। ऑयल पाम ट्री के फलों को कुचलकर कच्चा पाम ऑयल बनाया जाता है। कच्चे पाम तेल की प्रोसेसिंग से रिफाइन्ड, ब्लीच्ड और गंधहीन पाम तेल का उत्पादन होता है, जिसे आगे आरबीडी पाम ओलीन में प्रोसेस किया जा सकता है। आरबीडी पाम ओलीन का उपयोग मुख्य रूप से खाना पकाने के तेल के रूप में और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के इंडस्ट्रियल फ्राइंग में किया जाता है।

खाद्य तेलों की स्थानीय कमी ने इंडोनेशिया को झकझोर दिया है, इस कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें काफी ऊंची हो गई हैं। इस कारण विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। साथ ही भ्रष्टाचार के एक मामले में व्यापार अधिकारी को हिरासत में लिया गया है। खाद्य कीमतों का प्रबंधन राष्ट्रपति जोको विडोडो के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है। कुछ ही दिन पहले, उद्योग मंत्रालय ने कहा कि घरेलू खाना पकाने के तेल के उसके वितरण ने राष्ट्रीय मांग को पूरा किया है, जिससे निर्यात प्रतिबंध और भी अप्रत्याशित हो गया है।

पहली तिमाही में हुंडई मोटर के मुनाफे में इजाफा, ऑपरेटिंग लाभांश में 16 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली।

दक्षिण कोरियाई कार विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर ने विश्लेषकों की संभावनाओं को अस्वीकारते हुए पहली तिमाही की परिचालन आय में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जानकार बताते हैं कि कमजोर मुद्रा की मदद से चिप की कमी के असर को दूर करने में मदद मिली है। कंपनी का पहली तिमाही में परिचालन लाभ 1.93 ट्रिलियन वॉन रहा है। जबकि, विश्लेषकों का 1.66 ट्रिलियन वॉन प्रॉफिट का अनुमान व्यक्त किया था। स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स और जेनेसिस लग्जरी मॉडल की मजबूत बिक्री की बदौलत हुंडई मोटर की बिक्री एक साल पहले की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 30.3 ट्रिलियन वॉन हो गई। हुंडई मोटर ने कहा कि मार्च में खत्म होने वाली तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 1.78 ट्रिलियन वॉन (1.42 बिलियन डॉलर) हो गया, जो एक साल पहले 1.52 ट्रिलियन वॉन था। वॉन दक्षिण कोरियाई मुद्रा है। कंपनी ने कहा है कि हाई-एंड एसयूवी मॉडलों की बढ़ी हुई बिक्री, अनुकूल विनिमय दरों और कम इन्वेंट्री स्तर ने वैश्विक चिप की कमी और कच्चे माल की ऊंची कीमतों के प्रभाव को दूर करने में मदद की है। हुंडई के फाइनेंस और अकाउंट विभाग के कार्यकारी उपाध्यक्ष एसोओ गैंग-ह्यून ने कहा कि इंटरनेशनल मार्केट की अनिश्चितताओं के बावजूद कई तरह के उपाय कर कंपनी इस साल अच्छा बिजनेस करेगी। उन्होंने बताया कि इस साल 2022 में, हुंडई का लक्ष्य 4.32 मिलियन वाहन बेचने का है, जो एक साल पहले की 3.89 मिलियन यूनिट की बिक्री से 10 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि कंपनी बैटरी निर्माताओं के साथ साझेदारी करके एडवांस रूप से अधिक कार बैटरी खरीदेगी, ताकि कमाई पर बढ़ती कीमतों का असर कम हो। जानकारों का मानना है कि कम इन्वेंट्री स्तर और हुंडई मोटर ग्रुप के ईवी-ओनली ई-जीएमपी यानी इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर वाहनों के लॉन्च से कमाई बढ़ने की उम्मीद है। हुंडई ने कहा है कि वह दुनिया भर में बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की नई रेंज लॉन्च करेगी। इनमें जेनेसिस जीवी60, जेनेसिस जीवी 70 और आयोनिक 6 शामिल हैं। कंपनी की आयोनिक सीरीज को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहली तिमाही में कुल बेचे गए 52,000 इलेक्ट्रिक वाहनों में से 30,000 ईवी आयोनिक 5 थे।

सेंचुरी टेक्सटाइल्स को 84 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

मुंबई ।

सेंचुरी टेक्सटाइल्स एंड इंडस्ट्रीज बीते वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में मुनाफे की स्थिति में आ गई है। तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 84 करोड़ रुपए रहा है। इस दौरान कंपनी की बिक्री 45 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,188 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को पांच करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। कपड़ा, लुगदी, कागज और रियल्टी कारोबार से जुड़ी कंपनी ने बीते पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 200 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। इसके पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 50 करोड़ रुपए रहा था। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की आय 54 प्रतिशत बढ़कर 4,067 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो 2020-21 में 2,564 करोड़ रुपए थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक जे सी लड्ढा ने कहा कि विशेष रूप से तिमाही आंकड़ों में सुधार की वजह सबसे ऊंचा तिमाही बिक्री आंकड़ा है। इसके अलावा रियल्टी इकाई बिड़ला एस्टेट्स ने भी अच्छी बिक्री बुकिंग दर्ज की है। इस इकाई की बिड़ला नियारा परियोजना ने 1,200 करोड़ रुपए से अधिक की बुकिंग दर्ज की।

6 कारोबारी सत्र में गिरावट के बाद सोना उछला, दाम 51,485 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में बढ़त के चलते मंगलवार को भारतीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई। सोना पिछले छह कारोबारी सत्र में गिरावट के बाद आज चढ़ा है। इससे पहले ग्लोबल मार्केट में भी सोने का भाव एक महीने के निचले स्तर पर चला गया था।

मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आज सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 0.18 फीसदी बढ़त के साथ 51,485 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। इसी तरह, चांदी का वायदा मूल्य भी 0.47 फीसदी चढ़कर 65,421 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया। इससे पहले पीली धातु की कीमतों में पिछले छह कारोबारी सत्र से ही लगातार गिरावट दिख रही थी। दरअसल, ग्लोबल मार्केट में डॉलर दो साल के शीर्ष पर पहुंच गया है जिससे सोने में निवेश घटने लगा। इसके अलावा अमेरिकी फेड रिजर्व की ओर से भविष्य में ब्याज दरें बढ़ाने के संकेत दिए जाने का असर भी सोने की कीमतों पर दिखा। रूस और यूक्रेन के बीच दो महीने से जारी जंग के फिलहाल खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। बढ़ते संकट की वजह से सोने की कीमतों पर एक बार फिर दबाव बढ़ना शुरू हो गया है। ग्लोबल मार्केट में सुबह के कारोबार में सोने का हाजिर भाव 0.3 फीसदी बढ़कर 1,902.46 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। इतना ही नहीं वायदा भाव भी 1,902.60 डॉलर प्रति औंस के आसपास रहा। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ग्लोबल मार्केट में सुबह चांदी का हाजिर मूल्य करीब 1 फीसदी बढ़कर 23.85 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। इसी तरह, प्लेटिनम के भाव में 0.6 फीसदी का उछाल आया और यह 926 डॉलर प्रति औंस बिका, जबकि पैलेडियम 2.1 फीसदी महंगा होकर 2,189.18 डॉलर के भाव पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार में आने वाले समय में गोल्ड की कीमत 1885-1872 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। इसी तरह, चांदी का भाव भी 23.42-23.20 डॉलर प्रति औंस रह सकता है।

कई डिजिटल पहल शुरू करने की कवायद में लगा एचडीएफसी बैंक

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी ऋणदाता बैंक एचडीएफसी ने कोरोना पाबंदियां हटने के बाद से 21 लाख से अधिक कार्ड जारी किए हैं। साथ ही बैंक अगली कुछ तिमाहियों में कई और डिजिटल पहल शुरू करने की योजना बना रहा है। बैंक एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एचडीएफसी बैंक को नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी। पिछले दो साल के दौरान बैंक की इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/भुगतान सुविधाओं में समस्याओं को देखते हुए पाबंदी लगाई गई थी। यह प्रतिबंध आठ महीने बाद पिछले साल अगस्त में हटा लिया गया। जबकि मार्च, 2020 में आरबीआई ने डिजिटल पहल समेत अन्य पाबंदियों को भी हटा लिया।

एचडीएफसी बैंक के मुख्य वित्त अधिकारी आर श्रीनिवासन वैद्यनाथन ने तिमाही परिणाम बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा, ''हमने एक मजबूत और सुरक्षित प्रौद्योगिकी ढांचे को सुदृढ़ करने को लेकर कई कदम उठाए हैं। हम गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और अब अगली कुछ तिमाहियों में विभिन्न डिजिटल पहल के तहत कार्यक्रम शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'' बातचीत की जानकारी सोमवार को शेयर बाजार को दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने जो प्रगति की, उसी के तहत नये कार्ड को लेकर लगाई गई पाबंदियों को पिछले साल अगस्त में हटा लिया गया। उसके बाद मार्च, 2022 में डिजिटल 210 कार्यक्रम शुरू करने को लेकर लगी रोक भी हटा ली गई।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएसके की प्लेऑफ में जाने की संभावनाएं अब भी बरकरार , जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के आईपीएल के इस 15वें सत्र में अब भी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे अपने बचे हुए सभी छह मैच जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर भी निर्भर रहना होगा। पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के बाद सीएसके की टीम अंकतालिका में नौवें स्थान पर फिसल गयी है। ऐस में अब अगर टीम अपने सभी छह मैच जीतती है तो अंकतालिका में उसके आठ जीत के साथ ही 16 अंक हो जाएंगे और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह कठिन हो जाएगी। वहीं अगर सीएसके 6 में से 5 मैच ही जीत पाती है तो उसके 14 अंक होंगे। ऐसे में नेट-रनरेट की भी निर्णायक भूमिका रहेगी। इससे यह तय है कि अगर सीएसके को प्लेऑफ में जाने की उम्मीद बनाए रखनी है तो उसे बाकी छह मुकाबले जीतने ही होंगे। साथ ही उसे नेट-रन में भी सुधार करना होगा। सीएसके का नेट रन रेट अभी -0.534 है जो उसके लिए नुकसानदेह बन सकता है।

सनराइजर्स से मिली हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से उतरेगी गुजरात

मुंबई ।

गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरते ही उसके हाथों मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। गुजरात की टीम ने अब तक सात में से छह मैचों में जीत दर्ज कर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है पर उसे एकमात्र हार सनराइजर्स हैदराबाद से ही मिली थी। जिसका हिसाब अब वह बराबर करना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर शुरुआती दो मैचों में हार झेलने वाली सनराइजर्स ने इसके बाद लगातार पांच मैच जीते हैं और वह सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी। सनराइजर्स का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। इस मैच का रोमांचक होना तय है क्योंकि दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान केन विलियमसन के अलावा राहुल त्रिपाठी , अभिषेक शर्मा , एडेन मार्कराम ओर निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी में उसके पास उमरान मलिक जैसा गेंदबाज है।

इस मैच में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के बीच रफ्तार की जंग भी हो सकती है। जहां गुजरात के पास लॉकी फर्ग्यूसन जैसा 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाला खिलाड़ी है , वहीं हैदराबाद के युवा भारतीय गेंदबाज उमरान भी इसी इसी गति से गेंद फेंकेंगे। इस मामले में हालांकि हैदराबाद की दावेदारी भारी नजर आ रही है क्योंकि उसने अपने पिछ्ले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम को केवल 68 रनों पर ही समेट दिया था। उसके चारों तेज गेंदबाज अच्छे फार्म में है और सभी अलग तरह की गेंदबाजी के लिए जाने जाते है। युवा मार्को यानसेन उछाल के साथ गेंद को स्विंग करने की क्षमता है, जबकि उमरान के पास तेज गति से गेंदबाजी क्षमता है।

इसके अलावा यॉर्कर गेंदबाज टी नटराजन और अनुभवी तेज गेंदबा भुवनेश्वर कुमार भी उसके पास हैं हालांकि टीम के पास अच्छे स्पिनर नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर के फिट नहीं होने के कारण जगदीश सुचित को शामिल किया गया है। वहीं स्पिनर के तौर पर गुजरात के पास अनुभवी राशिद खान है, जिन्होंने मौजूदा सत्र में ज्यादा विकेट नहीं लिये है पर वह रन रोकने में सफल रहे हैं। तेज गेंदबाजी में फर्ग्यूसन को मोहम्मद शमी का अच्छा सहयोग मिल रहा है। गुजरात की टीम के लिए हालांकि पावर प्ले में कमजोर बल्लेबाजी परेशानी का कारण बन सकती है। गुजरात की बल्लेबाज कप्तान हार्दिक पांड्या , डेविड मिलर के अलावा शुभमन गिल ओर मैथ्यू वेड पर आधारित रहेगी।

शुभमन ने दो बड़ी पारियां खेली है पर वह सात मैचों में 207 रन ही बना पाये है। वेड की जगह टीम में शामिल हुए युवा रिद्धिमान साहा भी बल्ले से अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये है।

हार्दिक ने अब तक टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्हें मिलर का भी सहयोग मिला है। फिनिशर की भूमिका में अभिनव मनोहर और राहुल तेवतिया को बल्लेबाजी में निरंतरता लानी होगी।

सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने धोनी

मुम्बई।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने हैं। धोनी ने यह उपलब्धि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हासिल की। इस मैच में हालांकि सीएसके को हार का सामना करना पड़ा। धोनी ने इस मैच में 8 गेंदों पर एक छक्का और एक चौके की मदद से 12 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के साथ ही वह सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा 220 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकार्ड रैना के नाम था। रैना ने कुल 219 छक्के लगाये थे। वहीं सीएसके के ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर इस टीम के पूर्व बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस हैं जिन्होंने कुल 93 छक्के लगाए थे।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

धोनी- 220 छक्के
रैना- 219 छक्के
डुप्लेसिस- 93 छक्के

भारत के तरुण और सुकांत को ब्राजील पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण और रजत

नई दिल्ली । भारतीय खिलाड़ियों ने ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के तरुण ढिल्लो और सुकांत कदम ने पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय के 'एसएल 4' वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीते है जबकि प्रमोद भगत को 'एसएल 3' स्पर्धा में दो कांस्य पदक मिले हैं। इस प्रकार भारत को अब तक कुल 28 पदक मिले हैं। वहीं भारतीय पैरा बैडमिंटन दल ने आठ स्वर्ण, सात रजत और 13 कांस्य पदक पर कब्जा किया है 'एसएल 4' वर्ग में सुकांत ने जर्मनी के मार्शल एडम को 21-19, 21-13 से हराया पर फाइनल में वह तरुण से हार गए। तरुण और कदम का मुकाबला काफी रोमांचक रहा परन्तु अंत में तरुण ने 21-17, 20-22 और 21-18 से जीत हासिल की। कदम ने परिणाम से कुछ निराश नजर आये पर कहा कि तरूण ने बेहतर खेला और निर्णायक अंक बनाये। साथ ही कहा कि मैं हर टूर्नामेंट में अपने खेल में सुधार ला रहा हूं। भगत को कुमार नितेश ने 21-7, 19-21, 21-19 से हराया।

नीरज को पीछे छोड़कर एम्मा ने जीता 'लॉरेस ब्रेक थ्रू ऑफ द ईयर' अवॉर्ड

वेरस्टापेन और थॉम्पसन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

सेविले ।

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाल फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड की दौड़ में पीछे छोड़ते हुए 'लॉरिस ब्रेक थ्रू ऑफ द ईयर' अवॉर्ड जीता है। टेनिस खिलाड़ी एम्मा को 18 साल की उम्र में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के लिए यह अवार्ड मिला। इस अवार्ड की दौड़ में ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी प्रमुख दावेदार थे। वहीं गत फॉर्मूला वन चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन और जमैका की ओलंपिक फर्राटा चैंपियन इलेइन थॉम्पसन हेराह को भी पुरुष ओर महिला वर्ग में शीर्ष सम्मान मिला है। लॉरेस विश्व खेल अकादमी ने वेरस्टापेन को साल का सर्वश्रेष्ठ विश्व पुरुष खिलाड़ी और थॉम्पसन को साल की सर्वश्रेष्ठ विश्व महिला खिलाड़ी नामांकित किया। यह पुरस्कार खेल जगत में साल 2021 में किये विशेष प्रदर्शन के आधार पर दिए गए। इसके अलावा यूरोपीय चैंपियनशिप जीतने वाली इटली की टीम को दूसरी बार साल की सर्वश्रेष्ठ लॉरेस टीम का अवार्ड मिला है। इसके अलावा 'कमबैक ऑफ द ईयर' का पुरस्कार स्काई ब्राउन को, जबकि दिव्यांग वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मार्सेल हग को दिया गया। टॉम ब्रेडी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। साल के सर्वश्रेष्ठ 'एक्शन' खिलाड़ी का इनाम बेथानी श्राइवर व 'स्पोर्टिंग आइकन' का इनाम वेलेंटिनो रोसी को मिला है।

संक्षिप्त समाचार

कुलदीप ने बताया अपनी सफलता का राज

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव का प्रदर्शन आईपीएल के इस 15 वें सत्र में अच्छा रहा है। कुलदीप ने इसका कारण बताते हुए कहा है कि उन्हें टीम में अपने अनुसार गेंदबाजी की आजादी मिली है। कुलदीप ने अब तक 13 विकेट लेकर अपनी लय हासिल की है। कुलदीप ने दिल्ली कैपिटल्स के टीम प्रबंधन के साथ ही मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच शेन वॉटसन सहित तमाम लोगों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें कैपिटल्स में आने के बाद अपने को व्यक्त करने की आजादी मिली है और यहीं से उनका खेल बेहतर हुआ। कुलदीप ने कहा, 'जब आपको अपने को व्यक्त करने की आजादी मिलती है, तब आप हर चीज का आनंद लेने लगते हैं। जब मैंने कैपिटल्स के साथ अपने अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच पोंटिंग से बात की तो उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं और वह मुझे सभी 14 लीग मैचों में कैपिटल्स के लिए खेलते देखना चाहते हैं। उनके साथ हुई उस बातचीत ने मुझे बहुत प्रेरित प्रेरित किया।' साथ ही कहा, 'वॉटसन ने भी मेरी बहुत सहायता की है। मैं बहुत खुशकस्मित हूं कि मैंने वॉटसन के साथ तीन-चार सत्रों में काम किया है। उन्होंने विशेष रूप से खेल के मानसिक पहलू को लेकर मेरी मदद की। मैंने उनके साथ बहुत सारी बातें साझा की। मैं उनके साथ खुलकर बात करता हूं।' कुलदीप ने कहा कि टीम के कप्तान ऋषभ पंत की विकेटकीपिंग के कारण भी उन्हें कई विकेट मिले हैं। इस गेंदबाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऋषभ स्टंप के पीछे महेन्द्र सिंह धोनी की तरह बनते जा रहे हैं। वह अच्छा मार्गदर्शन करता है और मैदान पर शांत भी रहता है।

हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी - रोहित

मुंबई । मुंबई इंडियन्स टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने माना है कि उनकी टीम आईपीएल के इस 15 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। रोहित ने कहा कि हर क्रिकेटर के जीवन में ऐसा समय आता है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मुकाबले में 36 रनों की हार के बाद ही मुंबई की टीम प्ले ऑफ की दौड़ से भी बाहर हो गई। रोहित ने ट्वीट किया, ''इस टूर्नामेंट में हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया पर कई बार ऐसा होता है, कई बड़े खिलाड़ी और टीमें इस प्रकार के हालातों से गुजरे हैं हालांकि मुझे यह टीम और इसका माहौल पसंद है।'' उन्होंने साथ ही टीम के प्रति भरोसा दिखाने के लिए प्रशंसकों की सराहना की है। आईपीएल में इस बार रोहित भी बल्लेबाजी में विफल रहे। उसके अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाये। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी प्रभावी नजर नहीं आये। कुल मिलाकर देखा जाये तो टीम किसी भी मैच में हावी नहीं रह पायी।

आईपीएल में दिग्गजों के नाकाम होने से टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम को झटका

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार दिग्गज खिलाड़ियों के नाकाम होने से आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की तैयारियों को झटका लगा है। मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा आरसीबी की ओर से खेल रहे विराट कोहली के असफल होने से भारतीय टीम की भी मुश्किलें बढ़ी हैं। रोहित अब तक बुरी तरह नाकाम रहे हैं। वह 7 पारियों में 16 की औसत से सिर्फ 114 रन ही बना सके हैं। 41 रन उनका उच्चतम स्कोर है. स्ट्राइक रेट 127 का है। वहीं विराट कोहली 8 पारियों में 17 की औसत से सिर्फ 119 रन ही बना सके हैं। अंतिम 2 पारियों में वह पहली ही गेंद पर आउट हो गये। कुल 5 पारियों में वे 10 गेंद का भी सामना नहीं कर सके हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी सिर्फ 123 का है। वहीं ईशान किशन ने शुरुआती 2 मैच में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन अंतिम 5 मैच से वह भी नाकाम रहे हैं। मुम्बई की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अपने नाम के अनुरुप प्रभावी नहीं रहे हैं। वह 7 मैच में केवल 4 विकेट ही ले पाये हैं। उनका औसत 50 का है और इकोनॉमी रेट 7.51 का है। वह 7 में से 5 मैच में एक भी विकेट नहीं ले सके। यह टीम प्रबंधन की सबसे बड़ी चिंता है। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 8 मैच में 49 की औसत से केवल 6 विकेट ले सके हैं। उनका इकोनॉमी 9.53 की है. विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत भी अब तक 7 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने 38 की औसत से 188 रन ही बनाए हैं। उन्होंने 44 रन की सबसे बड़ी पारी खेली है ओर उनका. स्ट्राइक रेट 154 का है हालांकि . विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और दिनेश कार्तिक ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टी20 विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है।

फ्लेमिंग को मोईन के अगले सप्ताह तक टीम से जुड़ने की उम्मीद

मुंबई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को उम्मीद है कि ऑलराउंडर मोईन अली अगले सप्ताह तक फिट होकर टीम से जुड़ जाएंगे। मोइन टखने की चोट के कारण सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहे थे। इस मैच में सीएसके को हार का सामना करना पड़ा था। फ्लेमिंग ने कहा, 'मोइन का टखना मुड़ गया था, अब एक्सरे में यह सामने आया है कि फ्रेक्चर नहीं है पर इससे उबरने में उसे कुछ समय लगेगा। उम्मीद करते हैं कि वह तेजी से उबरेगा क्योंकि उसके फ्रेक्चर नहीं है।' मोईन इस सत्र में हालांकि अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। मोईन ने अब तक 17.40 की औसत से 87 रन बनाए हैं जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 48 रनों की खेली पारी भी शामिल है। वह अब तक आठ ओवर में एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। सुपरकिंग्स की टीम इस सत्र में अपने खिलाड़ियों की चोटों के कारण परेशान है। तेज गेंदबाज दीपक चाहर और एडम मिल्ने पहले ही चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में मोइन के नहीं होने से सीएसके टीम की परेशानी और बढ़ गयी है। फ्लेमिंग ने खराब फॉर्म से जूझ रहे ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को बल्लेबाजी क्रम में धोनी से ऊपर भेजने के फैसले का भी बचाव किया। धोनी ने पिछ्ले मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ टीम को जीत दिलाई थी जब उन्होंने अंतिम ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाये थे।

श्रेयस अय्यर का दावा, केकेआर मैच जीत कर आगे बढ़ी, तो रोकना मुश्किल

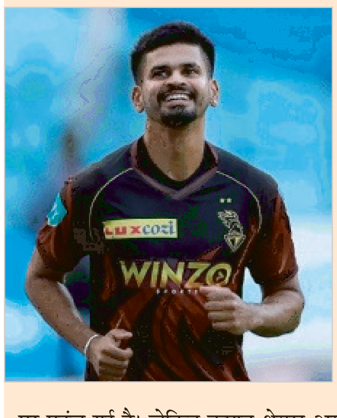

मुंबई। जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2022 के अपने पहले तीन मैच जीते थे, तो वे एक ऐसी टीम की तरह दिख रही थी, जिसने अपने बल्लेबाजी के तरीके के साथ-साथ गेंदबाजी के तरीके को भी सुलझा लिया। लेकिन लगातार चार हार के साथ कोलकाता बिखड़ती नजर आ रही है और वह अब अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर का दावा है कि एक बार केकेआर मैच जीत कर आगे बढ़ जाएगी, तो टूर्नामेंट में उन्हें रोकना मुश्किल होगा। अय्यर ने कहा, हम मैदान पर उतरने और मैच जीतने के लिए सभी विभागों में बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने के ऊपर है। इसके अलावा, मुझे वास्तव में इस बात पर गर्व है कि मैं एक अद्भुत फ्रेंचाइजी का हिस्सा हूं। अय्यर को विश्वास है कि टीम मजबूती से वापसी करेगी। अय्यर ने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक ऐसी अद्भुत टीम की कप्तानी करने के लिए गर्व का क्षण है, जहां हम बहुत सारी प्रतिभा को खेलते देख रहे हैं। हमने चार मैचों में से तीन जीत के साथ वास्तव में अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसके बाद चीजें अच्छी नहीं रही। लेकिन मुझे अभी भी टीम पर विश्वास है। मजबूत वापसी को लेकर विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम बिलिंग्स एक चुनौती के रूप में देखते हैं। लेकिन वह सकारात्मक टीम भावना और टीम के भीतर विश्वास की बात करते हैं, जो चीजों को बदलने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अय्यर ने कहा, हमें अभी पता चला है कि क्वालीफायर ईडन गार्डन में हैं, इसलिए हम 100 प्रतिशत प्रयास करेंगे कि हम मैच जीतें और वहां जाकर अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करें।

केकेआर से भिड़ने से पहले डीसी के रोवमैन पॉवेल बोले, पीछे देखने का वक्त नहीं

मुंबई।

दिल्ली कैपिटल्स के विस्फोटक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम के पास अब पिछ्ले मैचों में की गई गलतियों के बारे में सोचने का समय नहीं है और इसके बजाय आईपीएल 2022 के बाकी मुकाबलों पर ध्यान देने की जरूरत है। फिलहाल आधा आईपीएल हो चुका है। दिल्ली कैपिटल्स सात मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने आखिरी मैच में दिल्ली 15 रनों से हार गई, जहां लक्ष्य का पीछा का करते समय अंतिम ओवर में नो-बॉल एक बड़ा चर्चा का विषय बन गया, जिसके परिणामस्वरूप कप्तान ऋषभ पंत, ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और सहायक कोच प्रवीण आमरे (एक मैच का प्रतिबंध) पर भारी जुर्माना लगाया गया। पॉवेल ने कहा, हमें अतीत को जल्द से जल्द भूलना होगा। हमारे बहुत सारे मैच आ रहे हैं और हमारे पास अतीत में रहने का समय नहीं है। प्रतियोगिता में क्वालीफाई करने के लिए महत्वपूर्ण मैच आने वाले हैं, जिसके लिए हमें आगे की ओर देखना होगा। हमारे पास ये सोचने का वक्त नहीं है कि पीछे क्या हुआ। राजस्थान के तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय की गेंद पर लगातार छक्के लगाने वाले पावेल ने 15 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली, जिसने 223 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली लगभग जीत की उम्मीद कर रही थी। लेकिन अंतिम ओवर में मैदानी अंपायरों द्वारा नो बॉल ना दिए जाने पर विवाद हो गया। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं बहुत आश्वस्त था (एक ओवर में छह छक्के मारने पर)। पहले दो छक्के लगाने के बाद मुझे उम्मीद थी कि मैं छह छक्के मार दूंगा और फिर मुझे अगली गेंद मिली, मैं उम्मीद कर रहा था कि यह नो बॉल हो जाए, लेकिन अंपायर का फैसला अंतिम होता है और हम क्रिकेटर्स के रूप में इसे मानकर आगे बढ़ते हैं। 28 वर्षीय पॉवेल की 36 रनों की पारी विस्फोटक बल्लेबाज के लिए बहुत जरूरी थी। पॉवेल राजस्थान के खिलाफ मैच से पहले टूर्नामेंट में अच्छा नहीं कर पाए हैं। 28 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होना है, जिस पर पॉवेल ने कहा कि दिल्ली के लिए आईपीएल 2022 में अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाने का समय आ गया है।

धोनी आईपीएल इतिहास के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर : इरफान पठान

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान के अनुसार पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब भी नंबर एक फिनिशर हैं। इरफान के अनुसार पिछले कुछ समय में श्रेष्ठ फिनिशरों की सूची में कई नाम जुड़े जरुर हैं पर धोनी की जगह बनी हुई है। धोनी ने मुंबई इंडिया के खिलाफ मैच में अपना कौशल दिखाकर जिस प्रकार टीम को जीत दिलाई उससे यह साबित हुआ है। धोनी ने विपरीत हालातों में रन बनाये ओर इसी कारण मुम्बई के हाथ में आई जीत निकल गयी। पठान ने कहा, एमएस धोनी आईपीएल इतिहास में सबसे महान फिनिशर हैं हालांकि हर दर साल इस सूची में कोई न कोई शामिल होता रहा है पर धोनी को कोई नहीं हटा पाया है। वह इस लीग की पहचान हैं। धोनी के अलावा एबी डिविलियर्स भी आईपीएल के सबसे बड़े फिनिशर रहे हैं पर धोनी पहले नंबर पर हैं। पठन ने यह भी कहा कि राहुल तेवतिया, दिनेश कार्तिक, शिमरोन हेटमायर ने भी अब तक अपने अच्छे फिनिशर होने के संकेत दिये हैं पर जब किसी सर्वश्रेष्ठ फिनिशर की बात आती है, तो धोनी का ही नाम सामने आता है। पठान ने यह भी दावा किया कि अंक तालिका में निचले स्तर पर होने के बाद भी सीएसके को हल्के में नहीं लिया जा सकता है।

बोर्ड की परीक्षा के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ये टिप्स

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं परीक्षा 2022 का शेड्यूल जारी हो गया है और 26 अप्रैल से परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा के लिए छात्रों के पास एक महीने से भी कम का समय बचा है और छात्रों ने तैयारी को सम-अप कर लिया है। चाहे कितनी भी तैयारी हो छात्र अक्सर टेंशन में आ जाते हैं और उनकी तैयारी में गड़बड़ हो ही जाती है। इसके लिए आवश्यक है बेहतर रिवीजन टिप्स और स्ट्रेटेजी की। आइए जानते हैं कि छात्र किन टिप्स की मदद से आखिरी समय में छात्र रिवीजन कर सकते हैं जिससे उन्हें बेहतर अंक प्राप्त होंगे।

सभी विषयों को समय दें

रिवीजन करते समय प्रत्येक विषय के लिए समय निकालने का अर्थ है कि आप सभी विषयों पर ध्यान दे रहे हैं। छात्र हर दिन हर विषय के लिए एक चैप्टर या एक दिन में एक विषय के सभी चैप्टर को रिवाइज करके समय को विभाजित कर सकते हैं। हर विषय का एक चैप्टर रोज रिवाइज करना बेहतर हो सकता है क्योंकि यह आपको बोर नहीं होने देगा। आप उन विषयों के साथ भी रिवीजन शुरू कर सकते हैं जिनमें आप पहले से ही अच्छे हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा और आपको अन्य विषयों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।

महत्वपूर्ण विषयों को अच्छी तरह से रिवाइज करें

हालांकि आपको पूरे सिलेबस को रिवाइज करना होगा लेकिन महत्वपूर्ण विषयों को बार-बार रिवाइज करना बेहद जरूरी है। महत्वपूर्ण विषयों में वे भाग शामिल हैं जिनमें अंकों का वेटेज ज्यादा है।

पुराने पेपर और सैंपल पेपर की प्रैक्टिस करें

सब कुछ जानना और परीक्षा में न लिख पाना एक आम समस्या है जिसका सामना कई छात्रों को करना पड़ता है। लेकिन इस समस्या से लड़ने के लिए छात्र हर हफ्ते कुछ पुराने प्रश्न पत्र या सैंपल पेपर को हल करना शुरू कर सकते हैं। जब आप परीक्षा के दिन उपस्थित होते हैं तो यह आपको टाइम मैनेजमेंट करने में भी मदद करता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें

जब परीक्षा नजदीक हो तो छात्र घंटों पढ़ाई करते हैं और ब्रेक लेना भूल जाते हैं। जिसके कारण छात्रों के बीच टेंशन और चिड़चिड़ापन जन्म ले लेता है। पढ़ाई जरूरी है लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेना भी उतना ही जरूरी है। लंच या डिनर करते समय आप कुछ सिटकॉम का एक छोटा एपिसोड देख सकते हैं। कभी-कभी बीच में झपकी लेने से भी आप ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और अपने दिमाग को तरोताजा कर सकते हैं।

इन टिप्स की मदद से क्लीयर कर पाएंगे एनडीए एग्जाम

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए यूपीएससी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा आयोजित करने वाली है। परीक्षा में दो सेक्शन यानी मैथ्स और जनरल एबिलिटी टेस्ट से प्रश्न पूछे जाएंगे। जीएटी में 150 प्रश्न हैं, जिसमें अंग्रेजी के लिए 50 प्रश्न और सामान्य विज्ञान, भूगोल, इतिहास और राजनीति से संबंधित सामान्य ज्ञान के लिए 100 प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया गया है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में उपस्थित होते हैं लेकिन चांस उनको मिलता है जिनकी तैयारी बेहतर होती है। आइए इस लेख के माध्यम से जानत हैं कि किन टिप्स की मदद से छात्र इस परीक्षा को क्लियर कर सकते हैं।

11वीं और 12वीं की मैथ्स की बेहतर प्रैक्टिस

एनडीए में हर साल 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न एनसीईआरटी सिलेबस पर आधारित होते हैं इसलिए, इसकी बेहतर तैयारी से परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। 11वीं और 12वीं की मैथ्स को अच्छे से पढ़िए और पढ़ने उसके बाद उसका रिवीजन भी करिए। ऐसा करने से आप अपनी कमजोरियों पर काम भी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से तैयारी करने पर परीक्षार्थियों को अच्छे अंक मिल सकते हैं। पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों की मदद से ना सिर्फ तैयारी अच्छी होती है बल्कि परीक्षार्थी को परीक्षाके बारे में जानकेरी भी प्राप्तहोती है। इसके साथ ही मॉक टेस्ट देने से आप परीक्षा हॉल के अनुरूप तैयारी कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र आपको आपकी कमजोरियां आंकने में भी मदद करता है।

मैथ्स और जीएटी के लिए रेफरेंस किताबों का इस्तेमाल करें

जब गएक्टट्ठ से तैयारी हो जाए गए तो रिवीजन के लिए संदर्भ यानी रेफरेंस पुस्तकों का इस्तेमाल करें। इन किताबों की मदद से आप कम समय में बेहतर रिवीजन कर पाएंगे। मैथ्स के शॉर्ट ट्रिक्स में दक्षता हासिल करने के लिएहर दिन कुछ नया पढ़ें।

हाइड्रेटेड रहें

परीक्षा की तैयारी करते समय स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। टेंशन छोड़ दें और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। ठीक प्रकार से भोजन करें और खुद को हाइड्रेटेड रखें और तैयारी में ध्यान लगाएं।

टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखें

परीक्षा की तैयारी करना अलग बात है और परीक्षा में सारे प्रश्न अटेम्प्ट करना अलग। कितनी भी तैयारी क्यों ना हो अगर सारे प्रश्न का उत्तर नहीं लिख पाते तो सारी मेहनत बेकार है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम मैनेजमेंट का भरपूर ध्यान रखा जाए और टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए।

प्रोफेशन के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं मार्केट रिसर्च

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- रचनात्मकता
- सेल्समेनशिप
- डाटा एकत्रित करना
- टीमवर्क
- विश्लेषण क्षमता
- लगन

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है वीडियो एडिटिंग करियर

आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मनोरंजन जगत का विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में वीडियो एडिटिंग करियर के एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

जॉब प्रोफाइल

अलग-अलग कई वीडियो को एक वीडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक वीडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और वीडियो का संपादन करना होता है। वीडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल वीडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।

क्या करता है वीडियो एडिटर

किसी भी फिल्म के निर्माण के दौरान रॉ फुटेज शूट के संपादन का काम एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होता है। आधुनिक वीडियो डिजिटल कैमरे के बढ़ते इस्तेमाल से पहले फिल्म फुटेज को असली स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर शूट किया जाता था। उस वक्त वीडियो एडिटर्स को हाथ से उन्हें काटना पड़ता था और कई दृश्यों को एक साथ जोड़ना पड़ता था। एक वीडियो एडिटर को आमतौर पर निर्देशक या निर्माता के साथ बैठकर घंटों तक शूट किए गए रॉ फुटेज को देखना होता है। फिर उनके साथ मिलकर यह निर्धारित करना होता है कि कौन-सा दृश्य रखना है और कौन सा हटाना है।

रोजगार के अवसर

- फिल्म, टीवी और म्यूजिक प्रोडक्शन
- फिल्म और टीवी की मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन
- फिल्म प्रोडक्शन, डिस्ट्रिब्यूशन या थियेटर संबंधी पर्सनल या फैमिली बिजनेस।
- पोस्ट प्रोडक्शन स्टूडियो
- कॉर्पोरेट एप्लायर (कॉर्पोरेट ट्रेनिंग वीडियो)
- विज्ञापन

कोर्स का विवरण

वर्तमान में वीडियो या फिल्म एडिटिंग का कोर्स भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों में उपलब्ध है। ये कोर्सेज सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर कराए जाते हैं। इन कोर्सेज का लक्ष्य फिल्म एडिटिंग के सभी पहलुओं जैसे नॉन-लीनियर एडिटिंग, प्रोफेशनल एडिटिंग, कैमरा बेसिक्स, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट टेक्नीक्स इत्यादि की शिक्षा छात्रों को मुहैया कराना है।

फिल्म या वीडियो एडिटिंग के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं पास होना जरूरी है और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना अनिवार्य शर्त है। वीडियो एडिटर के असिस्टेंट के तौर पर काम शुरू करने के लिए बैचलर डिग्री काफी है।

वेतन

शुरुआती तौर पर अभ्यर्थी 7,000 से 10,000 रुपये तक कमा सकते हैं। दो से तीन साल का अनुभव प्राप्त करने के बाद वेतन 15,000 से 25,000 रुपये तक बढ़ सकता है। बेहद अनुभवी वीडियो एडिटर छह अंकों वाली उम्दा सैलरी की भी उम्मीद कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

भारत में हर साल 1000 से ज्यादा फिल्में बनाई जाती हैं, जो भारत को सबसे ज्यादा फिल्म बनाने वाले देशों में से एक बनाती हैं। फिल्म निर्माण के लिए एडिटिंग मौलिक जरूरत है, इसलिए कुशल वीडियो संपादकों की मांग आने वाले दशकों में घटने वाली नहीं है। वीडियो एडिटर के तौर पर एक व्यक्ति फीचर या नॉन फीचर फिल्मों, डॉक्युमेंट्री, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों में रोजगार तलाश कर सकता है। मोशन पिक्चर इंडस्ट्री में असिस्टेंट एडिटर से एडिटर के पद तक प्रमोशन पा सकते हैं। इसके अलावा किसी फिल्म स्कूल, टेक्निकल स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का काम भी कर सकते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत-मालदीव रक्षा साझेदारी अपने शिखर पर

माले । भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने अपनी पहली विदेश यात्रा पर मालदीव में है। जहां उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के महत्व पर बल दिया क्योंकि भारत-मालदीव समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण साझा करते हैं। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, एडमिरल हरि कुमार ने राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, विदेश मामलों के मंत्री अब्दुल्ला शाहिद, और रक्षा मंत्री मारिया अहमद दीदी के अलावा रक्षा बल के प्रमुख, मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल से भारतीय नौसेना और के बीच मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल समुद्री सूचना, समुद्री डोमेन जागरूकता, द्विपक्षीय समुद्री समझौतों और क्षमता निर्माण पहल के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मुलाकात की।

मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल कुमार ने भारत और मालदीव द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए पहले नेविगेशन चार्ट का अनावरण किया। उन्होंने मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बलों की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए हाइड्रोग्राफी उपकरण भी दिए। उन्होंने एमएनडीएफ की समुद्री संपत्तियों का भी दौरा कर इन परिसंपत्तियों की भूमिका को बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना और एमएनडीएफ के संयुक्त प्रयासों की प्रशंसा की। उनहोंने कहा कि भारत एमएनडीएफ के क्षमता निर्माण प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रिपोर्ट के अनुसार, मारिया दीदी ने द्वीप राष्ट्र को हर समय तेज, बिना शर्त समर्थन प्रदान करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत-मालदीव रक्षा साझेदारी अपने शिखर पर है। नीति अनुसंधान समूह ने आगे बताया कि मालदीव न केवल दक्षिण एशिया में भारत के अग्रणी विकास साझेदारों में से एक है, बल्कि एक विश्वसनीय और भरोसेमंद रक्षा और सुरक्षा भागीदार भी है, इसलिए भी कि दक्षिणी हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए रक्षा साझेदारी महत्वपूर्ण हो रही है ।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला का निधन, आखिरी समय में लिया चॉकलेट का आंनद

टोक्यो । दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला केन तनाका का 119 साल की उम्र में निधन हुआ। केन दुनिया के अब तक की सबसे जीवित बुजुर्ग व्यक्ति थीं। केन की मृत्यु पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने भी ट्वीट कर दुख जताया। बता दें कि केन का नाम जीवित सबसे उम्रदराज व्यक्ति के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज था। जानकारी के मुताबिक, केन का जन्म 2 जनवरी, 1903 को जापान के दक्षिण-पश्चिमी फुकुओका क्षेत्र में हुआ था। जिस साल केन का जन्म हुआ था उसी साल मैरी क्यूरी पहली महिला बनी थीं, जिन्हें नोबल पुरस्कार मिला था।

रिपोर्ट के अनुसार, केन अपनी अंतिम समय तक बिल्कुल स्वस्थ रहीं। साल 1922 में केन की शादी हुई थी और उनके अपने चार बच्चे थे, जिसमें से एक बच्चे को उन्होंने गोद लिया था। कम उम्र में उन्होंने नूडल की दुकान और चावल के केक की दुकान चलाती है। हालांकि पिछले कुछ समय से वह नर्सिंग होम में रह रही थीं। आखिरी समय में उन्होंने बोर्ड गेम का आनंद लिया और गणित के कई कठिन सवालों को भी हल किया इतना ही नहीं उन्होंने अंतिम समय में चॉकलेट और सोडा का भी आनंद लिया।

ईरानी विदेश मंत्रालय बोला- रूस के खिलाफ 'एकतरफा पाबंदियों' को नहीं देता मान्यता

तेहरान । रूस के यूक्रेन पर हमले के बीच ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनका देश रूस के खिलाफ 'एकतरफा प्रतिबंधों' को मान्यता नहीं देता है। ये जानकारी ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह ने की। खतीबजादेह ने एक साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई सालों से एकतरफा प्रतिबंधों के निशाने पर रहने वाले देश के रूप में ईरान अन्य देशों के खिलाफ इस तरह के पाबंदियों को मान्यता नहीं दे सकता है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, ईरान पर युद्ध का समर्थक नहीं होने पर जोर देते हुए उन्होंने रूस-यूक्रेन संकट को समाप्त करने के लिए बातचीत और कूटनीति का आग्रह किया। ईरानी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अमेरिका ने झूठ के आधार पर इराक पर हमला किया, लेकिन किसी भी देश ने वाशिंगटन पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। प्रवक्ता ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका पुलिस, न्यायाधीश, जूरी और दुनिया में सब कुछ नहीं हो सकता है।'

तानाशाह किम जोंग उन ने दुनिया को फिर डराया

-सैन्य परेड में प्रदर्शित की घातक मिसाइलें

प्योंगयांग । सनकी तानाशाह के नाम कुख्यात उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन का शस्त्रों का मोह दुनिया के लिए खतरनाक हो सकता है उन्होंने एक बार फिर से दुनिया को अपनी महाविनाशक मिसाइलें दिखाकर डराने का प्रयास किया है। किम जोंग उन ने देश की बहुचर्चित सैन्य परेड में अमेरिका तक मार करने वाली अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों का प्रदर्शन किया। इस परेड में किम जोंग उन ने ऐलान किया कि वह देश के परमाणु हथियारों को 'बढ़ाएंगे और विकसित' करेंगे। उत्तर कोरिया ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने सैन्याभ्यास किया है और पूरे कोरियाई प्रायद्वीप का माहौल गरम है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज एजेंसी के मुताबिक किम जोंग उन ने कहा, 'हम अपने देश के परमाणु हथियारों की क्षमता को सबसे तेज गति से बढ़ाने और उन्हें विकसित करने के लिए कदम उठाते रहेंगे।' सोमवार को हुई इस परेड को उत्तर कोरिया की सेना के स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया था। विश्लेषकों का कहना है कि यह परेड रात को करीब 10 बजे शुरू हुई। इससे पहले खबर आई थी यह परेड टल सकती है लेकिन ऐस हुआ नहीं।

उत्तर कोरिया की सरकार का दावा है कि किम जोंग उन के दादा और देश के पहले सुप्रीम लीडर किम इल सुंग ने साल 1932 में जापानी सेना से लड़ने के लिए उत?तर कोरिया की गुरिल्ला सेना का गठन किया था। बताया जा रहा है कि इस परेड में 20 हजार सैनिक शामिल हुए। दावा किया जा रहा है कि उत?तर कोरिया ने 250 घातक हथियारों का प्रदर्शन किया। इसमें हवासोंग-8 और हवासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें शामिल हैं जो अमेरिका तक मार कर सकती हैं। खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया ने अपनी सबमरीन से लांच की जाने वाली मिसाइल का भी प्रदर्शन किया है। इस परेड को देखते हुए टाइडोंग रिवर पर दो पांटून पुल बनाए गए थे। साल 2011 में किम जोंग उन के सत्ता में आने के बाद अब तक ऐसी 9 परेड का उत्तर कोरिया आयोजन कर चुका है। परेड से पहले उत?तर कोरिया ने एक बयान जारी करके कहा था कि उनके पास अपराजेय ताकत है और दुनिया इसे अनदेखी नहीं कर सकती है और छू नहीं सकती है। उसका इशारा परमाणु हथियारों की ओर था।

पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति चिंताजनक: पूर्व गृह मंत्री का दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख राशिद ने दावा किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की नवगठित सरकार के कार्यकाल में देश की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। राशिद ने कहा कि मौजूदा गठबंधन सरकार देश के इतिहास की सबसे कम समय तक चलने वाली सरकार होगी। राशिद ने कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान का इस्लामाबाद मार्च का आह्वान दुनिया को चकित कर देगा। उन्होंने कहा, ₹मौजूदा सरकार पाकिस्तान के इतिहास की सबसे अल्पकालिक सरकार होगी।₹ राशिद ने इमरान की सरकार को हटाने के बाद पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को 'परेशान करने वाली और चिंताजनक' बताया।

कैमरुन में अपने बच्चों को मलेरिया से बचाव की दवा पिलाने के लिए पहुंचे अभिभावक।

पाकिस्तान के कराची यूनिवर्सिटी में हुआ ब्लास्ट, 4 की मौत, हमलावरों के निशाने पर थे चीनी नागरिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में एक बड़ा धमाका हुआ है। धमाके में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को कराची विश्वविद्यालय में हुए एक विस्फोट में कम से कम चार लोगों के मारे जाने की आशंका जताई है। खबर है कि विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एक व्यावसायिक यात्री वैन में विस्फोट हो गया। मारे गए लोगों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शुरूआती खबरों के मुताबिक यूनिवर्सिटी में कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट के पास एक वैन में धमाका हुआ है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वैन दो विदेशी नागरिकों सहित लेक्चरर को ले जा रही थी, जो विश्वविद्यालय में पढ़ाने के बाद लौट रहे थे। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने कहा कि वैन में सात से आठ लोग सवार थे, हालांकि, हताहतों की सही संख्या अभी तक सामने नहीं आई है। कराची के पुलिस प्रमुख गुलाम नबी मेमन ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह एक आत्मघाती हमलावर हो सकता है। उन्होंने कहा कि साइट से क्लोज-सर्किट टेलीविजन फुटेज में एक व्यक्ति को सिर से पैर तक महिला बुर्का पहने हुए वैन तक जाते हुए दिखाया गया, जिसके बाद एक तात्कालिक विस्फोट हुआ। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। दावा किया गया है कि एक महिला आत्मघाती हमलावर शैरी बलोच उर्फ ब्रम्श ने हमले को अंजाम दिया।

पाक में पीएम बदलते रहते हैं, लेकिन कश्मीर राग अलापना नहीं होता बंद, इमरान से आगे निकलने की होड़ में शहबाज

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पिछले 75 साल से कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मुद्दा बना हुआ है। कश्मीर को लेकर पाकिस्तान भारत पर 4 बार हमले कर चुका है। वहां प्रधानमंत्री बदलते रहते हैं लेकिन कश्मीर का राग जो भी प्रधानमंत्री बनता है सबसे पहले उसकी जुबान पर यही राग चढ़ता है। नए नवेले पीएम शहबाज शरीफ भी इससे अछूते नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू कश्मीर दौरे को लेकर पाकिस्तान तिलमिला गया है और एक बार फिर से कश्मीर राग अलाप रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएम मोदी के दौरे को लेकर ट्वीट किया है। शरीफ ने पीएम मोदी के चिनाब नदी पर रतले क्वार जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखने पर नाराजगी जताई है।

शहबाज का कश्मीर राग

शहबाज शरीफ ने ट्वीट कर लिखा कि भारतीय प्रधानमंत्री की कश्मीर यात्रा और जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखना सिंधु जल संधि का उल्लंघन है। जम्मू और कश्मीर में सामान्य हालात होने का झूठा दिखावा किया जा रहा है। हम कश्मीरियों के साथ खड़े हैं क्योंकि उन्होंने यात्रा को अस्वीकार कर दिया और काला दिवस मनाया है।

पीएम बनते ही कश्मीर मुद्दा छेड़ा

भले ही इमरान खान को पीएम की कुर्सी से हटा दिया गया है। भले ही उनकी जगह शहबाज शरीफ नए पीएम बन गए हैं। लेकिन पाकिस्तान का कश्मीर राग नहीं छूटा है। शहबाज ने भी पीएम बनते ही कश्मीर का मुद्दा छेड़ दिया था। उन्होंने कहा था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान नहीं होने तक भारत के साथ संबंध सामान्य नहीं होंगे।

पीएम मोदी को लिखे पत्र में भी जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई पत्र के जवाब में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत-पाकिस्तान के बीच सार्थक बातचीत और जम्मू कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के जरिए दोनों देशों के लोगों और क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास प्राप्त किया जा सकता है।

पीएम मोदी और कश्मीर है फेवरेट टॉपिक

शहबाज शरीफ कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलते आए हैं। शहबाज ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ भी कई विवादित बयान दिए थे। शहबाज शरीफ ने एक बार कहा था कि मोदी सरकार कश्मीर में अत्याचार कर रही है। एक बयान में तो शहबाज शरीफ ने यहां तक कह दिया था कि भारत जब भी जी 20 देशों की बैठक में जाता है तो मेरे दिल में तीर लग जाता है। शहबाज ने कहा था कि मैं ये बर्दाश्त नहीं कर सकता कि पीएम मोदी जी 20 बैठक में जाते हैं और हम खड़े-खड़े तमाशा देखते हैं।

पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के फिर से स्वदेश वापसी तय

-नए पीएम शहबाज शरीफ ने जारी किया पासपोर्ट

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की मुश्किलें कम होने वाली है उनके ब्रिटेन से स्वदेश वापसी के लिए पासपोर्ट जारी किया गया है, जहां वह अपना इलाज करा रहे थे। यह जानकारी मीडिया में आई एक खबर से मिली। 72 वर्षीय नवाज तीन बार पाकिस्तान के पीएम रह चुके हैं। उनके खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के कई मामले शुरू किए गए थे। नवाज नवंबर 2019 में लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें इलाज के वास्ते चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दिए जाने के बाद लंदन रवाना हुए थे। समाचारों में बताया गया कि नवाज को उनके छोटे भाई एवं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नयी सरकार द्वारा पासपोर्ट जारी किया गया है। पिछले साल, उनके पासपोर्ट की अवधि समाप्त हो गई थी और इमरान के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार द्वारा इसे कभी भी नवीनीकृत नहीं किया गया था, जिससे उनके लिए लंदन छोड़ना असंभव हो गया था। खबरों के मुताबिक कि नवाज शरीफ को जारी किए गए पासपोर्ट का नेचर 'साधारण' है और इसे 'तत्काल' श्रेणी में बनाया गया है।

पासपोर्ट इस्लामाबाद में 23 अप्रैल 2022 को जारी किया गया। गृह मंत्रालय के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री को 10 साल की वैधता वाला पासपोर्ट जारी किया गया है। आंतरिक मामलों के मंत्री राणा सनाउल्लाह ने मंगलवार को कहा था कि राजनयिक पासपोर्ट नवाज शरीफ का अधिकार है और उन्हें जल्द ही जारी किया जाएगा। राणा ने कहा था, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक व्यक्ति जो तीन बार प्रधानमंत्री रहा है, उसे राष्ट्रीय नागरिकता से वंचित किया जा रहा है।'

2017 से ही टवीटर को खरीदने की कोशिश में जुटे थे मस्क

वाशिंगटन (एजेंसी)

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने आखिरकार माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट टवीटर को खरीद लिया है।मस्क ने इस महीने पहले ट्विटर को खरीदना का ऑफर दिया था। अब ये डील 44 बिलियन डॉलर में फाइनल हो गई है। लेकिन, ट्विटर खरीदने का मन उन्होंने साल 2017 में ही बना लिया था।

इस लेकर मस्क का एक पुराना ट्वीट है। 21 दिसंबर 2017 को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक ट्वीट किया था। ट्वीट में उन्होंने 'आई लव टवीटर' लिखा था। मस्क के ट्वीट पर अमेरिकी पत्रकार ने कहा तब वहां इस खरीद ही क्यों नहीं लेते हैं। इस ट्वीट का रिप्लाई देकर मस्क ने पूछा इस कीमत कितनी है? इस ट्वीट के लगभग 52 महीने के अब मस्क ने ट्विटर को आखिर खरीद ही लिया। इसके लिए उन्होंने लगभग 3368 अरब रुपये खर्च किए। मस्क के साथ हुई बातचीत अब वायरल हुई है। उस बातचीत के स्क्रीनशॉट को फिर पत्रकार ने ट्वीट करके लिखा है कि ये बातचीत उन्हें परेशान कर रही है। इससे पहले मस्क ने यूजर्स से पूछा था क्या उन्हें अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लांच करना चाहिए।

जिसके जवाब में ज्यादातर यूजर्स ने कहा उन्हें ट्विटर को ही खरीद लेना चाहिए। मस्क ने पहले ट्विटर में लगभग 9 प्रतिशत का स्टेक लिया था। इसके बाद उन्होंने पूरी कंपनी खरीदने का ऑफर दिया था। उस डील को उन्होंने बेस्ट और फाइनल बताया था।

मस्क ने कहा है, वहां ट्विटर को फ्री स्पीच के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म के तौर पर तैयार करना चाहते हैं। इसके सोर्स कोड को भी पब्लिक में उपलब्ध करवाने की बात उन्होंने कही है। इस वजह से आने वाले कुछ समय में इसमें कई बदलाव हमें देखने को मिल सकते हैं।

चीन में कोरोना ने मचाया हाहाकार, शंघाई में 52 लोगों ने तोड़ा दम, बीजिंग में 2 करोड़ से ज्यादा लोगों का होगा टेस्ट

बीजिंग। चीन कोरोना वायरस संक्रमण से काफी ज्यादा परेशान है। बीजिंग के साथ-साथ शंघाई के हालात सबसे ज्यादा खराब बताए जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन की आर्थिक राजधानी कही जाने वाले शंघाई में एक दिन में 52 लोगों की संक्रमण की वजह से मौत हो गई। जबकि एक दिन पहले शंघाई में 51 लोगों ने दम तोड़ा था।

बीजिंग के हालात भी हैं नाजुक

आपको बता दें कि शंघाई में कोरोना संक्रमण के 1,661 मामले सामने आए। इसके अलावा राजधानी बीजिंग में भी हालात काफी खराब हैं। जिसके बाद प्रशासन ने राजधानी के 11जिलों में मंगलवार को बड़े स्तर पर कोरोना टेस्ट करने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि बीजिंग में एक दिन में 2 करोड़ से ज्यादा लोगों का टेस्ट किया जाएगा। बीजिंग के स्थानीय प्रशासन ने जिले के सभी लोगों का तीन बार टेस्ट किए जाने का आदेश दिया है। मंगलवार के अलावा बुधवार और शुक्रवार को भी यह टेस्ट होंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार संक्रमण के स्थानीय प्रसार के 1,908 मामले सामने आए जिनमें से 1,661 मामले शंघाई से सामने आए। कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया पर शंघाई के वीडियो सामने आए थे। जिसमें स्थानीय लोगों को सख्त लॉकडाउन के चलते काफी समस्या का सामना करते हुए देखा जा सकता था।

यूक्रेन में जो हो रहा है उसका हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर असर पड़ेगा : यूरोपीय आयोग प्रमुख

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने सोमवार को कहा कि यूरोप यह सुनिश्चित करेगा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का 'अकारण और अनुचित' हमला एक 'रणनीतिक विफलता' साबित हो। उन्होंने कहा कि इस पर दुनिया की प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य तय करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में रायसीना संवाद में अपने संबोधन में लेयेन ने यह भी कहा कि यूक्रेन में जो हो रहा है उसका हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा। लेयेन ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के परिणाम न केवल यूरोप के भविष्य को निर्धारित करेंगे, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र और शेष दुनिया को भी बहुत अधिक प्रभावित करेंगे।

उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए यह जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही यूरोप के लिए भी महत्वपूर्ण है कि सीमाओं का सम्मान किया जाए और प्रभुत्व कायम करने की प्रवृत्ति को खारिज कर दिया जाए। लेयेन ने कहा, 'यूक्रेन में जो हो रहा है उसका हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा। यह पहले से ही है। कोविड-19 महामारी से दो साल से पीड़ित देशों को अब (व्लादिमीर) पुतिन की पसंद के युद्ध के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में अनाज, ऊर्जा और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों से निपटना होगा।' यूक्रेन के खिलाफ युद्ध पर मॉस्को की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वी यूरोपीय देश की तस्वीरों ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है और दुनियाभर में शांति एवं सुरक्षा को रेखांकित करने वाले मूल सिद्धांत एशिया के साथ-साथ यूरोप में भी दांव पर हैं। उन्होंने कहा, 'यूरोप में, हम रूस के हमले को हमारी सुरक्षा के लिए सीधे खतरे के रूप में देखते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यूक्रेन के खिलाफ अकारण और अनुचित आक्रमण एक रणनीतिक विफलता साबित हो।'

लेयेन ने कहा कि इस पर दुनिया की प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य तय करेगी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने रूस और चीन के बीच 'कोई सीमा नहीं' वाली दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'रूस और चीन ने एक 'अनियंत्रित समझौता' किया है। उन्होंने घोषणा की है कि उनके बीच दोस्ती की कोई सीमा नहीं है।' यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) की भारत को स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटलीकरण सहित व्यापक क्षेत्रों में पेशकश पारदर्शी और मूल्यों से प्रेरित होगी तथा नयी दिल्ली के साथ साझेदारी को सक्रिय करना इस दशक में ब्लॉक की 'प्राथमिकता' है।

पाकिस्तान सरकार से अमेरिकी शख्सियतों की अपील, भारत के साथ संबंधों में सुधार करें

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका में लोकतंत्र समर्थक बुद्धिजीवियों, नेताओं, पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकताओं के एक समूह ने पाकिस्तान की नवनियुक्त सरकार से जातीय तथा धार्मिक संघर्षों को समाप्त करने में रचनात्मक भूमिका निभाने तथा भारत एवं अन्य पड़ोसी मुल्कों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश करने की अपील की है। ह्यसाउथ एशियंस अगेंस्ट टेररिज्म एंड फॉर ह्यूमन राइट्सह्ल (एसएएटीएच) की ओर से आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सत्ता से जाने के बाद बनी सरकार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने के लिए वहां के लोगों के साथ तत्काल बातचीत करनी चाहिए।

मीडिया में जारी एक बयान के अनुसार कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि पड़ोसी मुल्कों के साथ, खासतौर पर भारत और अफगानिस्तान के साथ संबंध सुधारे जाने चाहिए। एसएएटीएच के सह-संस्थापक एवं अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके हुसैन हक्कानी ने कहा कि पाकिस्तान, राजनीति के सैन्यकरण और राजनीतिक कारणों के लिए धर्म के इस्तेमाल को समाप्त किए बगैर वर्तमान संकट से बाहर नहीं निकल सकता। हक्कानी ने कहा, 'पाकिस्तान का पूरा ध्यान अपने लोगों की समृद्धि पर केन्द्रित होना चाहिए न की किसी बेकार की विचारधारा पर।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पड़ोसी मुल्कों के साथ अच्छे संबंध ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को दोबारा पटरी पर लाना सुनिश्चित कर सकते हैं। पूर्व सांसद फरहतुल्ला बाबर ने सुरक्षा प्रतिष्ठान के भीतर 'विभाजन' की खबरों पर चिंता व्यक्त की। वह पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के महासचिव भी हैं। बाबर ने कहा, 'जब एक समूह बहुत अधिक शक्ति अर्जित कर लेता है, तो उसके भीतर ही संघर्ष शुरू हो जाता है।' वहीं, पूर्व सांसद अफरासियाब खट्टक ने 'जनरल शाही' को समाप्त करने का आह्वान किया और कहा कि 'वही इमरान खान को सत्ता में लाया था।' बलूच कार्यकर्ता किया बलोच और सिंध यूनाइटेड पार्टी के जैन शाह ने बलूच और सिंधी राष्ट्रवादियों को निशाना बनाने वाले सैन्य अभियानों को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सार समाचार

भारत में पुलिस को पत्थरबाजों के खिलाफ इजरायली तकनीक से निपटना चाहिए

नई दिल्ली । दिल्ली के जहांगीरपुरी सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हालिया पत्थरबाजी की घटनाओं को देखकर लगता है कि भारत को भी पत्थरबाजी से इजरायली पुलिस की श्रेणी में ही निपटना होगा। इजरायली पुलिस की तरफ से ऐसी एडवांस तकनीक का सहारा लिया गया कि वे पत्थर छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो खूब वायरल हो रहा हैं, भारत में भी पत्थरबाजों पर ऐसी कार्रवाई की मांग हो रही है। पत्थर बाज और उग्र भीड़ से निपटने के लिए इजरायल ने ऐसा काम किया है,इसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। इजराइल एक ऐसी तकनीक निकाली जिससे पत्थरबाज कुछ ही सेकंड में भाग गए। दरअसल येरूशलम में अल अक्सा मस्जिद के परिसर में इजरायली पुलिस के साथ संघर्ष में कम से कम 52 फिलिस्तीनी घायल हो गए। इजराइली पुलिस ने कहा कि जहां यहूदियों की पूजा चल रही थी वहां इन सैकड़ों लोगों ने पत्थरबाजी करना और पटाखे फोड़ना शुरू कर दिया। जिससे वहां भगदड़ की नौबत आ गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इजराइल की पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पहले इजरायली पुलिस ने अल अक्सा मस्जिद मैं नमाज पढ़ रहे फिलिस्तीनी ऊपर बल का प्रयोग किया। इसके बाद इन लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। लेकिन इसराइल की पुलिस ने किसी भी तरह के बल प्रयोग से इनकार किया है। इजरायल की पुलिस ने पत्थर फेंक रहे लोगों से पीछे हटने के लिए कहा लेकिन जब वह नहीं माने, तब इजराइल के पुलिस ने भीड़ को भगाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसे ड्रोन के जरिए भीड़ पर छिड़क दिया। जिससे वहां पत्थरबाजी कर रहे सभी लोग पलभर में ही भाग गए। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इजराइल की इस कार्रवाई की तारीफ कर रहे हैं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, 28 से लू चलने के आसार

नयी दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 24 .6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अधिकतम पारा 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने के आसार हैं। विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे साक्षेप आर्द्रता का स्तर 37 फीसदी था। विभाग के अधिकारी ने बताया कि दिन में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। मौसम की जानकारी देने वाली एजेंसी 'सफर' के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 233 था। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच ह्यगंभीरह्ण माना जाता है। आईएमडी ने कहा कि अगले कुछ दिन दिल्ली में लू चलने की संभावना नहीं है लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में 28 अप्रैल से लू चलने के आसार व्यक्त किए गए हैं जिसके लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

राजनीति विज्ञान के प्रश्नपत्र में पूछी गईं कांग्रेस की उपलब्धियां, भाजपा ने गहलोत सरकार पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 12वीं कक्षा के राजनीति विज्ञान के प्रश्नपत्र में कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी की उपलब्धियों के बारे में छह प्रश्न पूछे जाने को लेकर राजस्थान के शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। मंत्रालय ने एक पत्र में कहा, प्रश्न पत्र की प्रासंगिक प्रतियों के साथ मीडिया के एक वर्ग में समाचार प्रकाशित हुआ है। इस समाचार को लेकर राज्य सरकार की टिप्पणियां और संबंधित जानकारी विभाग को भेजी जा सकती हैं। भाजपा ने इस मुद्दे पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा। पार्टी ने ट्वीट किया, राजनीति विज्ञान के इस प्रश्न पत्र को देखकर कई छात्रों को तो यह भी समझ नहीं आया कि परीक्षा राजनीति विज्ञान की थी या कांग्रेस के इतिहास की।

डर और भ्रम के चलते बूस्टर खुराक लेने से बच रहे लोग : विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। भारत में 10 अप्रैल से लेकर अब तक महज 4.64 लाख लोगों ने कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक लगवाई है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय डर, भ्रम और गलत जानकारी के चलते एहतियाती खुराक लगवाने से बच रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच ज्यादा लोग बूस्टर खुराक नहीं लगवा रहे हैं। वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और उद्योग के जानकारों का कहना है कि बूस्टर खुराक लगवाने में हिचक की मुख्य वजह प्रतिकूल प्रभाव का डर, कोविड-19 का मामूली संक्रमण होने की सोच व एहतियाती खुरक के असर को लेकर मन में संशय है। विषाणु रोग विशेषज्ञ टी जैकब जॉन के मुताबिक, बूस्टर खुराक को लेकर हिचक इसलिए भी है, क्योंकि नए विशेषज्ञों के दावे भ्रमित करने वाले हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'मुझे बूस्टर खुराक पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कई प्रश्न मिलते हैं। इसलिए मैं जानता हूं कि सरकार की 'शैक्षिक गतिविधि', जो अत्यधिक कमजोर लोगों का टीकाकरण पूरा कर कोविड-19 से होने वाली मौतों, अस्पताल में भर्ती होने की दर और गंभीर लक्षणों के उभरने का जोखिम घटाना चाहती है, वह जागरूक करने से ज्यादा भ्रमित करने वाली है।' भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के सेंटर ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन वायरोलॉजी के पूर्व निदेशक ने कहा कि लंबे समय तक लोगों को बताया गया था कि पूर्ण टीकाकरण का मतलब दो खुराक है, ऐसे में एहतियाती खुराक शब्द ने भ्रम की स्थिति पैदा की है। कोवीशील्ड का निर्माण करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला ने बीते हफ्ते कहा था कि उनके स्टॉक में बड़ी संख्या में बिना बिके हुए टीके मौजूद हैं। पूनावाला के मुताबिक, 'हमने 31 दिसंबर 2021 को उत्पादन बंद कर दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की विशेष बैठक, मंत्रिपरिषद के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक विशेष बैठक की। इस बैठक में उन्होंने मंत्रिपरिषद के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। जिसके मुताबिक, स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जनप्रतिनिधियों के आचरण की शुचिता अति आवश्यक है। इसी भावना के अनुरूप सभी मंत्रीगण शपथ लेने के अगले तीन माह की अवधि के भीतर अपने और अपने परिवार के सदस्यों की समस्त चल-अचल संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करें। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए मंत्रीगणों के लिए निर्धारित आचरण संहिता का पूरी निष्ठा से पालन किया जाए। सभी लोक सेवक (आईएएस/पीसीएस को अपनी व परिवार के सदस्यों की समस्त चल/अचल संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करे। यह विवरण आमजनता के अवलोकनार्थ ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाए। सभी मंत्रीगण यह सुनिश्चित करें कि शासकीय कार्यों में उनके पारिवारिक सदस्यों का कोई हस्तक्षेप नहीं हो। हमें अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत करना होगा।

धरना देकर समय खराब ना करें किसान, नरेश टिकैत बोले- बीजेपी की तरफ लोगों का झुकाव, हम क्या करें

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लगभग 1 साल तक किसान आंदोलन चला। इस किसान आंदोलन में भारतीय किसान यूनियन की अहम भूमिका रही। इन सबके बीच भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नरेश टिकैत ने फिलहाल बड़ा बयान दिया है। नरेश टिकैत भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता और किसान नेता राकेश टिकैत के बड़े भाई हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वह धरना प्रदर्शन कर अपना समय बर्बाद ना करें। अपनी समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन के लोगों के साथ बैठकर कर लें। नरेश टिकैत ने यह भी कहा कि किसान यूनियन में अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सब की है।

इसके साथ ही नरेश टिकैत ने भाजपा को लेकर भी बड़ा बयान दिया। नरेश टिकैत ने साफ तौर पर कहा कि लोगों का झुकाव भाजपा की तरफ हो रहा है तो हम क्या करें। यह उनकी मर्जी है। वह जहां भी वोट डालना चाहते हैं, वह ऐसा कर सकते हैं। इसके साथ नरेश टिकैत ने कहा कि ना तो हम इससे खुश हैं और ना ही दुखी हैं।। यह एक स्वतंत्र देश है और यहां सब को निर्णय लेने का अधिकार है दरअसल, नरेश टिकैत 4 राज्यों में भाजपा की हुई जीत पर अपने विचार रख रहे थे। इसके साथ ही नरेश टिकैत ने कहा कि बदले की भावना से काम ना हो। बुलडोजर का प्रयोग वही किया जाए जहां अवैध अतिक्रमण है। माना जा रहा है कि 4 राज्यों में भाजपा को मिली जीत के बाद भारतीय किसान यूनियन में थोड़ी नरमी आई है। यही कारण है कि नरेश टिकैत फिलहाल किसानों को बातचीत के जरिए रास्ता निकालने की बात करते दिखाई दे रहे हैं। वह साफ तौर पर कह रहे हैं कि धरना प्रदर्शन करके किसान अपना समय बर्बाद ना करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन से बात करें और इससे समाधान निकालने की कोशिश करें। इसके साथ ही नरेश टिकैत उत्तराखंड के उधम सिंह नगर में होने वाले किसान महापंचायत में भी शामिल होंगे। उन्होंने यूनियन के कार्यकताओं से उत्तर प्रदेश के रामपुर में मुलाकात की है।

मानवता के समक्ष खड़े प्रश्नों का उत्तर भारत के अनुभवों, सांस्कृति सार्म्थय से ही निकल सकता है: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के विभिन्न देशों में उपजे हालात की ओर इशारा करते हुए मंगलवार को कहा कि आज विश्व के सामने अनेक साझे संकट और चुनौतियां हैं और मानवता के समक्ष खड़े प्रश्नों का समाधान भारत के अनुभवों और उसके सांस्कृतिक सामर्थ्य से ही निकल सकता है। यहां 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर शिवगिरि तीर्थ यात्रा की 90वीं वर्षगांठ और ब्रह्म विद्यालय की स्वर्ण जयंती के वर्ष भर चलने वाले संयुक्त समारोह के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 25 साल बाद देश जब आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा तो भारत की उपलब्धियां वैश्विक होनी चाहिए और इसके लिए उसकी दूरदृष्टि भी वैश्विक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश, कई सभ्यताएं जब अपने धर्म से भटकीं, तो वहां आध्यात्म की जगह भौतिकतावाद ने ले ली लेकिन भारत के ऋषियों, संतों और गुरुओं ने हमेशा विचार और व्यवहार का शोधन किया और उनका संवर्धन किया। उन्होंने कहा, 'आज हम जो भारत देख रहे हैं, आजादी के 75 सालों की जिस यात्रा को हमने देखा है, यह उन्हीं महापुरूषों के चिंतन और मंथन का परिणाम है। आजादी के हमारे मनीषियों ने जो मार्ग दिखाया था आज भारत उन लक्ष्यों के करीब पहुंच रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से 25 साल बाद देश अपनी आजादी के 100 साल मनाएगा और इसके मद्देनजर उन्होंने देशवासियों से नए लक्ष्य गढ़ने और नए संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'इन सौ सालों की यात्रा में हमारी उपलब्धियां वैश्विक होनी चाहिए और उसके लिए हमारा विजन भी वैश्विक होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि आज विश्व के सामने अनेक साझी चुनौतियां हैं और साझे संकट भी हैं तथा कोरोना महामारी के समय दुनिया ने इसकी एक झलक भी देखी है। उन्होंने कहा, 'मानवता के सामने खड़े भविष्य के प्रश्नों का उत्तर भारत के अनुभवों और भारत के सांस्कृतिक सार्म्थय से ही निकल सकता है।' उन्होंने संतों और आध्यात्मिक गुरुओं से महान परंपरा को आगे बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा कि वह इसमें 'बहुत बड़ी भूमिका' निभा सकते हैं। शिवगिरि तीर्थयात्रा और ब्रह्म विद्यालय दोनों महान समाज सुधारक श्री नारायण गुरु के संरक्षण और मार्गदर्शन के साथ शुरू हुए थे। शिवगिरी तीर्थ यात्रा हर साल तीन दिनों के लिए 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक तिरुवनंतपुरम के शिवगिरी में आयोजित की जाती है। यह तीर्थयात्रा शिक्षा, स्वच्छता, धर्मपरायणता, हस्तशिल्प, व्यापार और वाणिज्य, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा संगठित प्रयास जैसे आठ विषयों पर केंद्रित है। वर्ष 1933 में कुछ भक्तों द्वारा यह तीर्थयात्रा शुरू की गई थी लेकिन दक्षिण भारत में अब यह प्रमुख आयोजनों में से एक बन गई है। हर साल दुनिया भर से लाखों भक्त जाति, पंथ, धर्म और से ऊपर उठकर तीर्थयात्रा में भाग लेने के लिए शिवगिरी आते हैं।

मेरे घर पर हनुमान चालीसा पढ़ो, लेकिन दादागीरी बर्दाश्त नहीं करुंगा: उद्धव ठाकरे

मुंबई। (एजेंसी)

हनुमान चालीसा विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि उनके घर पर हनुमान चालीसा पढ़ने में कोई समस्या नहीं है लेकिन 'दादागीरी' बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिवसेना अध्यक्ष ठाकरे ने भाजपा का नाम लिये बगैर उस पर निशाना साधा और दावा किया कि उन्हें हिंदुत्व सिखाने वाले उस वक्त 'चूहे के बिल' में छिपे थे जब बाबरी मस्जिद गिराई गयी थी।

उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे घर पर ह्यहनुमान चालीसा' पढ़ना चाहते हैं, आइए। लेकिन सही तरीके से आइए।' ठाकरे ने यहां बेस्ट मुख्यालय में ह्यनेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' (एनसीएमसी) की शुरूआत के मौके पर कहा, 'लेकिन अगर आप दादागीरी से आना चाहते हैं तो बालासाहेब ने हमें सिखाया था कि दादागीरी को कैसे खत्म करते हैं।' उन्होंने भगवान हनुमान का संदर्भ देते हुए कहा कि शिवसेना का हिंदुत्व 'गदाधारी' है, जबकि विरोधियों का हिंदुत्व 'घंटाधारी' है। अमरावती से सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक

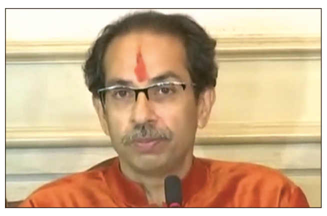

रवि राणा को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने ठाकरे के मुंबई स्थित निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की बात कही थी। इससे शिवसैनिक नाराज हो गये थे। बाद में राणा दंपती ने अपने आह्वान को वापस ले लिया था और एक कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई प्रवास का हवाला दिया था।

'बुलडोजर लेकर मुसलमानों के घरों को गिरा रही भाजपा सरकार', महबूबा बोलीं- मुल्क में नहीं है कोई कानून

श्रीनगर। (एजेंसी)

पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बुलडोजर नीति पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुल्क में कोई कानून नहीं है जिसको जो मन करता है वो बुलडोजर लेकर किसी का मकान और दुकान आदि गिरा देता है। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया था। हालांकि उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

मुल्क में नहीं है कोई कानून

समाचार एजेंसी के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ये मुल्क हिंदू-मुस्लिम भाईचारे पर बनी थी और आज इसी मुल्क के अंदर भाजपा सरकार बुलडोजर लेकर न सिर्फ मुसलमानों के घरों को गिरा रही है बल्कि उनके रोजगार भी छीन रही है। उन्होंने कहा कि मुल्क में कोई कानून नहीं है जिसको जो मन करता है वो बुलडोजर लेकर किसी का मकान और दुकान आदि गिरा देता है और उन्ही लोगों को जेल में डाल दिया जाता है जिनके मकानों और दुकानों को गिराया जाता है।

जहांगीरपुरी में चला था प्रशासन का बुलडोजर

जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया। इस दौरान प्रशासन का बुलडोजर ने कई अवैध दुकानों और मकानों को ध्वस्त किया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन के इस अभियान पर रोक लगा दी। उस वक्त कोर्ट ने कहा था कि निर्माण ढहाने के लिए पूरी तरह से अनधिकृत और असंवैधानिक आदेश दिया गया है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात की भाजपा सरकारों ने अपराधियों पर बुलडोजर नीति के तहत कार्रवाई की थी। ज्ञात हो तो मध्य प्रदेश के खरगोन में हुई हिंसा के बाद शिवराज सिंह चौहान सरकार ने बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों के मकानों और दुकानों को ध्वस्त कर दिया था।

राबड़ी-तेजस्वी नहीं करेंगे तेज प्रताप को मनाने की कोशिश, अब लालू दरबार में ही होगा इस्तीफे पर फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)

लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव ने अचानक से इस्तीफे की बात कहकर बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। तेज प्रताप यादव की ओर से इस्तीफे वाली बात ऐसे समय में कही गई है जब पार्टी के ही कार्यकर्ता उनके ऊपर मारपीट और गाली गलौज करने का आरोप लगा रहे हैं। जब तेज प्रताप यादव ने इस्तीफे का ऐलान किया उसके बाद उन्हें इस बात की उम्मीद नजर आ रही थी कि राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव उन्हें मनाने की कोशिश जरूर करेंगे। लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। तेज प्रताप यादव फिलहाल अकेले पड़ते दिखाई दे रहे हैं। आरजेडी दफ्तर में हुए मारपीट प्रकरण मामले में भी राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव तेज प्रताप यादव से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। लालू परिवार की ओर से अब तक तेज प्रताप के इस्तीफे को लेकर कोई बयान भी नहीं आया है। ऐसे में अब पूरा मामला दिल्ली शिफ्ट हो गया है। जानकारी के मुताबिक के पूरा का पूरा मामला अब लालू यादव के हाथों में है। लालू यादव तेज प्रताप के इस्तीफे पर आखिरी फैसला करेंगे। इसके अलावा पार्टी के कार्यकर्ता ने जो आरोप लगाए हैं, उस पर भी कोई निर्णय हो सकता है। सबसे खास बात तो यह भी है कि तेज प्रताप यादव के ट्वीट के लगभग 20 घंटे बाद भी लालू परिवार का कोई सदस्य उन्हें मनाने की पहल करता दिखाई नहीं दे रहा है। पटना में राजद के कुछ वरिष्ठ नेताओं को यह भी लगता है कि तेज प्रताप जितना पार्टी के लिए फायदेमंद नहीं है, उससे ज्यादा नुकसानदेह हैं। यही कारण है कि फिलहाल तेजस्वी और राबड़ी देवी भी तेज प्रताप से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। सूत्र तो यह भी बता रहे हैं कि तेजस्वी यादव इस बात को ज्यादा तूल देना नहीं चाहते हैं। यही कारण है कि इस पर लालू परिवार की ओर से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन यह बात भी सच है कि अगर तेज प्रताप का इस्तीफा स्वीकार होता है तो लालू परिवार में बड़ा टूट हो सकता है। यह राबड़ी देवी तथा उनकी बेटी मीसा भारती कभी नहीं चाहेंगी। यही कारण है कि लालू यादव भी सोच समझ कर ही फैसला लेंगे।

कोविड-19 के 2,483 नए मामले, कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 15,636 हुई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 2,483 नए मामले सामने आने से देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,30,62,569 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 15,636 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, असम में संक्रमण से मौत के मामलों के पुनःमिलान के बाद 1,347 मामले और केरल में मौत के 47 मामले सामने आने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,23,622 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि असम ने संक्रमण से मौत के मामलों का पुनः मिलान किया गया, जिससे मौजूदा आंकड़ों में बदलाव आया है।

अन्यथा राज्य में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया। केरल में भी पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। यह 47 मामले भी आंकड़ों के पुनःमिलान के बाद सामने आए। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 15,636 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 886 की कमी दर्ज की गई है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है। संक्रमण की दैनिक दर 0.55 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.58 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,25,23,311 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 187.95 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 1399 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से असम और केरल में आंकड़ों के पुनःमिलान के बाद सामने आए मामलों के अलावा पंजाब में संक्रमण से मौत के चार और दिल्ली में एक मामला सामने आया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आप और बीटीपी मिलकर लड़ेंगे गुजरात विधानसभा का चुनाव,1 मई को होगा ऐलान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी समेत अन्य राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले साल असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मिलकर निकाय चुनाव लड़ने वाली छोटू वसावा की भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) ने आगामी गुजरात विधानसभा के चुनाव आम आदमी पार्टी (आप) के साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। हांलाकि फिलहाल इसका विधिवत ऐलान नहीं किया गया है। 1 मई को गुजरात स्थापना दिवस है और उसी दिन बीटीपी-आप के गठबंधन का ऐलान किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और बीटीपी प्रमुख छोटू वसावा की उपस्थिति में 1 मई को भरूच जिले के चंदेरिया में आदिवासी संकल्प महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। इसी सम्मेलन में केजरीवाल और वसावा गठबंधन का ऐलान करेंगे। इस संदर्भ में आज अहमदाबाद में आप के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया और बीटीपी नेता महेश वसावा ने पत्रकार परिषद की। गोपाल इटालिया ने कहा कि केन्द्र में वर्षों तक कांग्रेस और भाजपा की सरकारें हो, परंतु आदिवासियों के साथ अन्याय किया गया। शिक्षा, रोजगार और जल, जमीन व जंगल इत्यादि की समस्याओं का समाधान किसी सरकार ने नहीं किया। लाचार आदिवासियों की समस्याओं की राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो ऐसे प्रयासों को लेकर छोटू वसावा और महेश वसावा के साथ चर्चा हुई है। एक नई दिशा में आगे बढ़ते हुए बीटीपी ने आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव आप के साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। बीटीपी नेता महेश वसावा ने कहा कि हमने दिल्ली में आप की सरकार का काम देखा है। दिल्ली सरकार ने रोजगार, पानी और शिक्षा क्षेत्र में अच्छा काम किया है। जबकि गुजरात में सरकार ने स्कूलें बंद कर आदिवासी समाज के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस भी लोकतंत्र बचाने का आंदोलन करती है, लेकिन उसकी सरकार ने भी क्या किया? गांव के आदिवासी समाज के लोग आज भी रोजगार के लिए घर छोड़ रहे हैं। महेश वसावा ने कहा कि आगामी 1 मई को आप और बीटीपी दोनों एक होकर गुजरात स्थापना दिवस पर हम नया गुजरात मॉडल देंगे। गौरतलब है कुछ दिन पहले छोटू वसावा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मुलाकात की थी। पंजाब में आप को मिली जबर्दस्त सफलता से अरविंद केजरीवाल गुजरात चुनाव को लेकर काफी आशान्वित हैं और इसीलिए बीटीपी के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है।

आप-बीटीपी गठबंधन को गुजरात चुनाव में कितनी सफलता मिलेगी यह तो आनेवाला वक्त ही बताएगा। आगामी 1 मई को गुजरात का स्थापना दिवस है और इसी दिन केजरीवाल और वसावा आप-बीटीपी गठबंधन का विधिवत ऐलान करेंगे।

सूरत सिविल में चिल्ड्रन वार्ड में 15 दिन से एसी बंद, मरीज के परिजन घर से पंखा लाने को मजबूर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सिविल अस्पताल के अंदर बच्चों के एनआईसीयू और पीआईसीयू विभागों में एसी और पंखे 15 दिनों से बंद हैं. परिवार नवजात बच्चों के लिए घर से पंखे लाने को मजबूर हो गया है। शिकायत के बावजूद सिविल अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उधर, सिविल अधीक्षक ने बताया कि शिकायत मिलते ही दो एसी का आदेश दिया गया. हालांकि एक एसी खराब बनकर लौटा है। इस समस्या का तत्काल समाधान किया जाएगा।

राज्य के एक हिस्से में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी से लोग जल रहे हैं। इसके बाद एक बार फिर विवादों में रहने वाले सिविल अस्पताल को लेकर एक और विवाद खड़ा हो गया। सूरत के सिविल अस्पताल के अंदर PIC है, जो बच्चों के लिए एक नवजात गहन देखभाल इकाई है। यहां एसी बंद है। इसका खामियाजा नवजात शिशुओं और उनके माता-पिता को भुगतना पड़ रहा है। पहले मरीज अस्पताल की फाइल से पंखा लेते थे। इसकी शिकायत से समस्या का समाधान नहीं हुआ।

इसलिए किसी भी ढीले माता-पिता को घर से पंखे लाने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। माता-पिता अब अपने नवजात बच्चे के लिए घर से पंखा ला रहे हैं। पूरे वार्ड में एक ही पंखे के बाल रोग विशेषज्ञ के रिश्तेदार ने कहा कि उनका बेटा इलाज के लिए वेंटिलेटर पर है।

हम यहां पिछले 15 दिनों से इलाज करा रहे हैं। 15 दिन से एसी बंद है। लेकिन इसकी हवा पूरे वार्ड तक नहीं पहुंच पाती है। हमने पहले फाइल से हवा निकाली ताकि बच्चे को हवा मिल सके। लेकिन नहीं, हम घर से एक पंखा लेकर आए हैं। हमारे बिना यहां बच्चे कैसे रह सकते हैं? इस गर्मी के कारण यहां बच्चों की जान भी खतरे में है।

तंत्र न्यू सिविल अस्पताल के अधीक्षक गणेश गोवेकर ने कहा कि समस्या का समाधान किया जाएगा।पंखे की समस्या भी देखी जा रही है। इसलिए दो दिन में यह समस्या दूर हो जाएगी।

जिग्नेश मेवाणी की जमानत याचिका खारिज, कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

उत्तरी गुजरात के वडगाम से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। असम की कोर्ट ने जिग्नेश मेवाणी की जमानत याचिका खारिज कर दी है और उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के आरोप में असम पुलिस ने उत्तरी गुजरात के पालनपुर सर्किट हाउस से गत 20 अप्रैल की रात जिग्नेश मेवाणी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद सड़क के रास्ते पालनपुर से अहमदाबाद आने के बाद असम पुलिस जिग्नेश मेवाणी को विमान से असम ले गई थी। विवादित टिप्पणी के मामले में जिग्नेश मेवाणी ने असम की कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। सोमवार को जिग्नेश मेवाणी को जमानत भी मिल गई थी। लेकिन मुक्तहोने के बाद असम की बारपेटा पुलिस ने महिला पुलिसकर्मी से बदसलूकी के मामले में जिग्नेश मेवाणी को गिरफ्तार कर लिया। महिला पुलिसकर्मी को एस्कोर्ट करत समय छेड़छाड़ और बदसलूकी के मामले में जिग्नेश मेवाणी को आज असम के बारपेटा जिले की स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया। बारपेटा सीजेएम कोर्ट ने जिग्नेश मेवाणी की जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

हिम्मतनगर में अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, रामनवमी पर हुआ था पथराव

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

साबरकांठा,हिम्मतनगर के छापरिया क्षेत्र में आज नगर पालिका के बुलडोजर ने

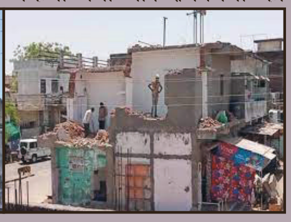

अवैध निर्माणों को ढहा दिया। छापरिया क्षेत्र में अतिक्रमण कर कच्चे और पक्के मकान बनाए गए थे, जिन्हें नगर पालिका प्रशासन जमींदोस्त कर दिया। साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर का छापरिया वह क्षेत्र है, जहां रामनवमी के अवसर पर निकली शोभा यात्रा पर पथराव किया गया था। जिसके बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया था। वाहन फूंकने और पुलिस पार्टी पर भी हमला किया गया था। रामनवमी की घटना के बाद से पुलिस-प्रशासन एक्शन में आ गया है और छापरिया क्षेत्र के अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही सुबह शुरू कर दी। हिम्मतनगर नगर पालिका ने छापरिया क्षेत्र के 15 मीटर के उमिया विजय टीपी रोड को जोड़ने वाली सड़क के अतिक्रमणों का आज सफाया कर दिया। अतिक्रमण हटाने के लिए 2020 से नोटिस दी जा रही थीं। इसके बावजूद अवैध निर्माण हटाए नहीं जाने पर नगर पालिका ने आज इसके खिलाफ कार्यवाही की। प्रशासन के बुलडोजर का अवैध निर्माण करनेवालों में इतना खौफ दिखा कि वे स्वयं हथौड़ और पावडा लेकर अतिक्रमण हटाने लगे। किसी प्रकार की अनिच्छनीय घटना से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। हांलाकि लोग स्वयं अतिक्रमण हटाने में प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं, जिससे अनिच्छनीय घटना की संभावना नहीं है।